GYAN GURU UMA SHANKAR CHARAN JI

शक्ति

SHAKTI

शिक्षा अमृत ग्रंथ

SHIKSHA AMRIT GRANTH

अलौकिक और पारलौकिक शक्तियों का प्रभाव

INFLUENCE OF SUPERNATURAL AND PARANORMAL POWERS

BlueRose ONE .com
Stories Matter
NewDelhi • London

BLUEROSE PUBLISHERS
U.K.

Copyright © Gyan Guru Uma Shankar Charan Ji 2025

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author. Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the publisher assumes no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

BlueRose Publishers takes no responsibility for any damages, losses, or liabilities that may arise from the use or misuse of the information, products, or services provided in this publication.

For permissions requests or inquiries regarding this publication,
please contact:

BLUEROSE PUBLISHERS
www.BlueRoseONE.com
info@bluerosepublishers.com
+4407342408967

ISBN: 978-93-7018-092-5

Cover design: Daksh
Typesetting: Tanya Raj Upadhyay

First Edition: July 2025

TABLE OF CONTENTS

परिचय

INTRODUCTION 1

मैं ज्ञान गुरु उमा शंकर चारण

I Am Gyan Guru Uma Shankar Charan 3

आध्यात्मिक सफ़र

Path of spirituality 7

साधना सफल ना होना

Sadhna not being successful 13

साधना का सबसे पहला नियम 19

The First Rule Of Meditation 21

मंत्र कितने प्रकार के होते हैं

How Many Types of Mantras are There 25

इनमें से कौन से मंत्र ज्यादा प्रभावशाली होते हैं

Which of These Mantras Is More Effective? 29

मंत्र जाप करने का तरीका

How to Chant Mantra 33

कुंडलिनी जागृत

Kundalini Awakened 39

शरीर के यह सात चक्रों को दो तरीके से जागृत किया जा सकता है.

These seven chakras of the body can be awakened in two ways: .. 41

पूजा करने की माला

PRAYER BEADS 45

भूत-प्रेत की सीमा 47
The Limits Of Ghosts 47
लड़की और तांत्रिक का जाल
THE TRAP OF THE GIRL AND THE TANTRIK 57
पूजा के पाँच प्रकार
FIVE TYPES OF WORSHIP.....85
भक्ति में शक्ति
POWER IN DEVOTION 89
गुरु किस्को बनाएं
WHOM TO CHOOSE AS GURU 93
कर्ण पिशाचिनी
KARNA PISHACHINI.....97
मंत्र-तंत्र और यंत्र
MANTRA - TANTRA AND YANTRA 111
भविष्यवाणी
PREDICTION 117
तंत्र, मंत्र, यंत्र अलौकिक परलौकिक शक्तियों की महत्वपूर्ण पूजाऐ:-....129
TANTRA, MANTRA, YANTRA AND WORSHIP OF
SUPERNATURAL AND PARANORMAL POWERS:-.....129
सामान्य नवरात्रि 133
Common Navratri 135
गुप्त नवरात्रि 137
Gupt Navratri 139

“माँ कामाख्या जी”
“MATA KAMAKHYA JI”..... 143
“बाबा कलवा पवन(पौंन)”
“BABA KALWA PAWAN(PAUN)” 147
रुद्राक्ष
RUDRAKSHA 151

परिचय

यह किताब सिर्फ आध्यात्मिक और तंत्र साधकों के लिए ही नहीं है। बल्कि यह किताब उन साधारण परिवारो के लिए भी है।

जो अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए गलत पूजाओं या गलत व्यक्तियों के संपर्क में आकर अपना और अपने परिवार का भी नुक्सान कर बैठते हैं।

इस किताब को पढ़ने के बाद आपको पूजा-पाठ के तरिके और हानि लाभ का पता चलेगा।

INTRODUCTION

This book is not exclusively for spiritual enthusiasts and tantric practitioners, but also for ordinary families who in order to protect their families, often come into contact with wrong paths or wrong individuals and end up harming themselves and their families.

After reading this book, you will gain a deeper understanding of effective worship techniques and the potential benefits and loss associated with them.

मैं ज्ञान गुरू उमा शंकर चारण

1.सबसे पहले आध्यात्मिक शक्ति की तरफ पहला कदम बढ़ाने से पहले, अपने गुरु की राय जरूर ले, और जिनके गुरु ना हो,

वह पहले गुरु बनाए, क्योंकि गुरु बिना आप अध्यात्म में बहुत धोका खा सकते हैं.

I AM GYAN GURU UMA SHANKAR CHARAN

1. First of all, before taking the first step towards spirtual power, take the advice of your Guru and those, who do not have a guru.

They should first find a Guru because without a Guru you can be very deceived in spirtuality.

कहीं दफा आप जिन देवी या देवता की पूजा सच्चे मन से कर रहे हो, उनके अलावा या उनके आने से पहले कहीं और अशुध्द शक्तियां आप पर हावी या आप पर कृपा कर सकती हैं।

इस वजह से आप अपनी दिशा या अपने उद्देश्य से भटक सकते हैं, और कई केसो में देखा गया है, कि साधक को इस से बहुत दुश्परिणाम भी उठाने पड़े है,

इसिलिए पहले गुरु बनाना बहुत जरूरी है।

मगर गुरु बनाने से पहले आप बहुत अच्छी तरह सोच ले, कि आप जिसे गुरु बना रहे हो वह सही गुरु है या नहीं.

Sometime the Gods or goddesses whom you your worship are true. Are you doing it in your mind apart from them? Before arriving, evil spirits elsewhere may dominate or favour you. Because of this, you may get stuck in your direction or your objective and it has been seen in some cases that the instrument has also had to face many negative consequences due to this.

This is why it is very important to first create a guru.

But before making a Guru, you should think very carefully whether the person you are making a Guru is the right Guru or not.

आध्यात्मिक सफ़र

1. आध्यात्मिक होना

2. आध्यात्म की राह पर चलना

3.आध्यात्मिक शक्तियों की तरफ बढ़ना

4.और एक साधक होना यह सब अलग-अलग चीजें हैं

बाकी और भी बहुत बातें हैं, इस राह पर, यह सब धीरे-धीरे. पता चलता है, सबकी अलग साधना, और साधना का सफर होता है; और सब के अलग-अलग एहसास और अलग-अलग परिणाम।

PATH OF SPIRITUALITY

1. Being spirtual

2. Walking on the path of spirtuality

3. Moving towards spirtual powers

4. And being a practician these are all different things.

And there are many others go on this path, but it comes slowly gradually.

Everyone has different feelings and different results.

मैं ज्ञान गुरु उमा शंकर चारण, मेरे घर में पहले से ही पूजा पाठ का माहौल था,

मेरे पिताजी श्री बाबू लाल चारण जी बहुत नामी गुरु है,

हमने शुरू से ही, तंत्र साधना, मंत्र साधना, भूत-प्रेत, डाकिनी, योगिनियो, जोगिनियौ, पिशाचिनिया, 9 ग्रह, 12 राशि, 28 नक्षत्र, 56 कलवे, 64 योगिनिया, 52 भैरव, की पूजाये बहुत करीब से देखी थी.

I am Gyan Guru Uma Shankar charan and, there is already an atmosphere of worship in my house.

My Dad Shri Babu Lal Charan ji was a very famous Guru, From the very beginning, we had seen very carefully the worship of Tantra Sadhana Mantra Sadhana, Ghosts, Dakini, Yoginiyo, joginiyo, Pisachini, 9 plants, 12 zodiac signs, 28 nakshatra, 56 kalve, 64 yoginiyo, 52 bhairav.

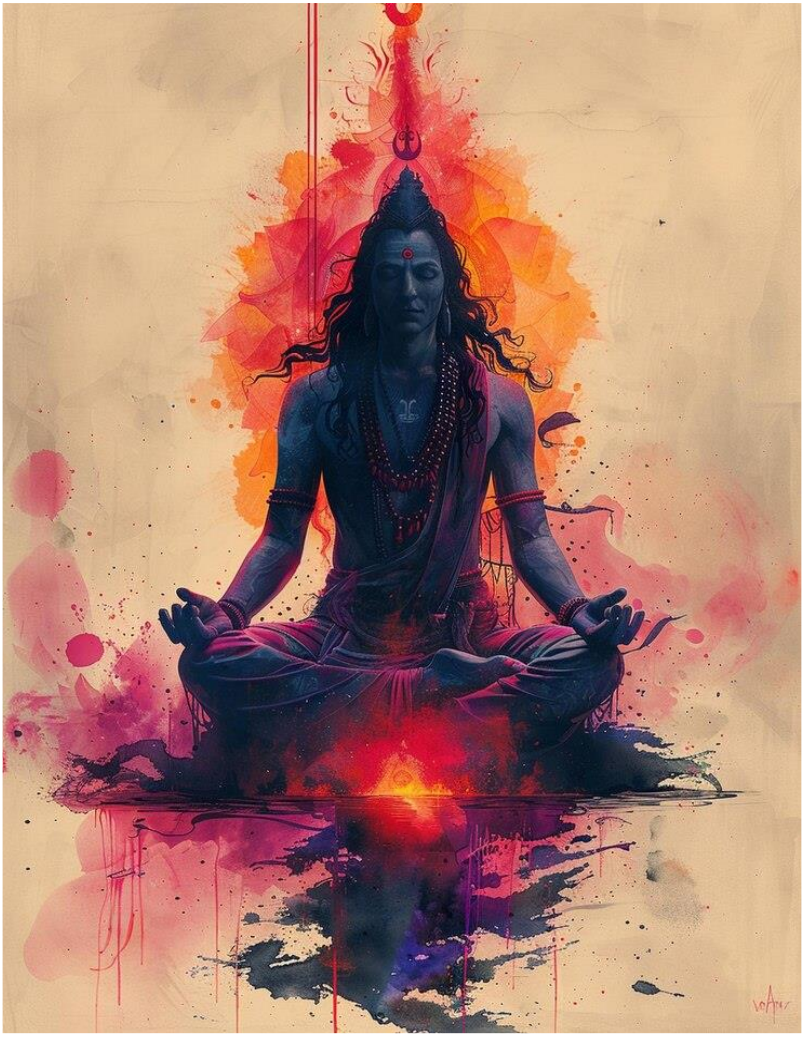

मैं बचपन से पूजा-पाठ करता था, मगर मैं इस तरफ से ज्यादा ध्यान और दूसरे कामों में लगता था, जैसे मैं एक अच्छा खिलाड़ी था, अच्छा तैराक, और बहुत अच्छा पहलवान था, पर धीरे-धीरे यह सब चीजें छूटती चली गई, उस समय तो लगा कि ऐसा क्यों हो रहा है मगर अब, जब सब पता है, तो पता चला कि, यह सब भगवान का उपहार है और मैं इस विद्या में आगे बढ़ता चला गया।

I used to do Puja Since childhood, but I used to concentrate more on other things.

Like I was a good player, a good swimmer, and a very good wrestler too.

But gradually all these things started went away and I started wondering why this was happening.

But now that I know everything, I realized that all this is a god gifted and I kept moving ahead.

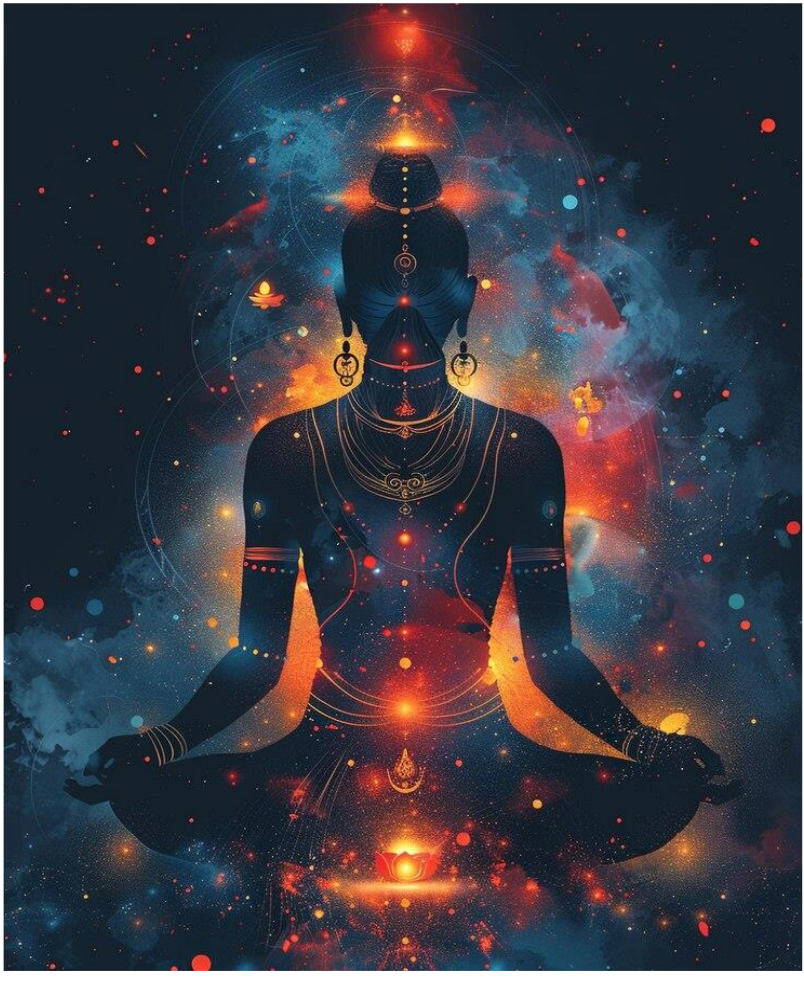

साधना सफल ना होना

कुछ लोगों को, और साधकों को भी यह लगता है, कि कुछ नही हो रहा.

इसकी बहुत सारी वजह हो सकती है, पर बहुत सारी वजह में से दो वजह बहुत प्रमुख है, और बहुत से केसों में देखी गई है.

1.गलत गुरु का होना

2.साधना में त्रुटि (गलतियाँ)

SADHNA NOT BEING SUCCESSFUL

Some people or even practicians feel that nothing is happening.

There could be many reasons for this.

But among many reasons, two reasons are very prominent and have been seen in many cases.

1. Having the wrong Guru.

2. Error (mistakes) in meditation.

1.गलत गुरु का होना :- आप जिस गुरु से साधना का रास्ता पूछ रहे हो, उस गुरु को उस साधना का रास्ता पता है या नहीं, और क्या उस गुरु ने कभी वो साधना की भी है या नहीं,

दूसरी बात:- ज्यादातर बड़ी साधनाये जो होती है, वह पीढ़ी दर पीढी चलती है, पीढ़ी दर पीढ़ी का मतलब खून का रिश्ता नहीं. गुरु और चेले का रिश्ता, जब एक शक्ति का मालिक गुरु अपनी मर्जी से अपने चेले को, उस साधना का रास्ता बताता है, जब ही साधना सफल होने की अधिक उम्मीद होती है, बाकी कुछ एक या दो प्रतिशत लोगों को बिना गुरु या परम्परागत, ये शक्तियाँ भी मिली है पर उनमे से कुछ ही पूर्ण तरीके से ठीक है, ज्यादातार तो पागल हो गए या मर गए.

1.Being the wrong Guru:- The Guru from whom you are asking the path of Sadhana knows the path of that Sadhana or not ask has what Guru every done many Sadhna or not. And has that guru ever done any sadhana or not.

Second thing:- Most of the Sadhanas were goes on from generation to generation, It does not mean by blood relation but the relation between Guru and disciple. When a Shakti ka Malik Guru willingly tells his disciple the path of that Sadhana, there is more hope of success with the help of them, One or two percent, have got these skills without any Guru, but only a few of them are completely fine, most of them have gone mad or become crazy.

2 .साधना में त्रुटि गलतियां:- कुछ साधक सही गुरु होते हुए भी साधना ठीक नहीं कर पाते और कुछ समय का सही ध्यान नहीं रखते. कुछ स्वच्छता का ध्यान नहीं रखते और कुछ सही भोजन खान-पान का ध्यान नहीं रखते. जिस तरह की साधना होती है, उसी तरह का खान-पान, समय या स्वच्छता रखनी पड़ती है, कुछ गुरु या साधक यह बहुत कहते हैं, कि हम बहुत समय से साधना कर रहे हैं, पर अभी तक कुछ फ़ायदा या कुछ संकेत नहीं मिल रहा, मेरे पास भी ऐसे गुरु और साधक आते हैं, कि हम बहुत समय से साधना कर रहे हैं और कुछ संकेत नहीं मिल रहे.

2. Mistakes in Sadhana:- Some disciple have the right Guru, are not able to do the Sadhana properly and some do not keep proper time. Some do not take care of cleanliness and some do not take care of eating. The kind of Sadhana that is done, the kind to food and hygiene that needs to be maintained. Some Guru or practicians often say that we have been doing Sadhana for a long time but till now not getting any benefit or any indication regarding eligibility.

I have also received many such cases from Gurus that they have been doing Sadhana for a long time but not getting results.

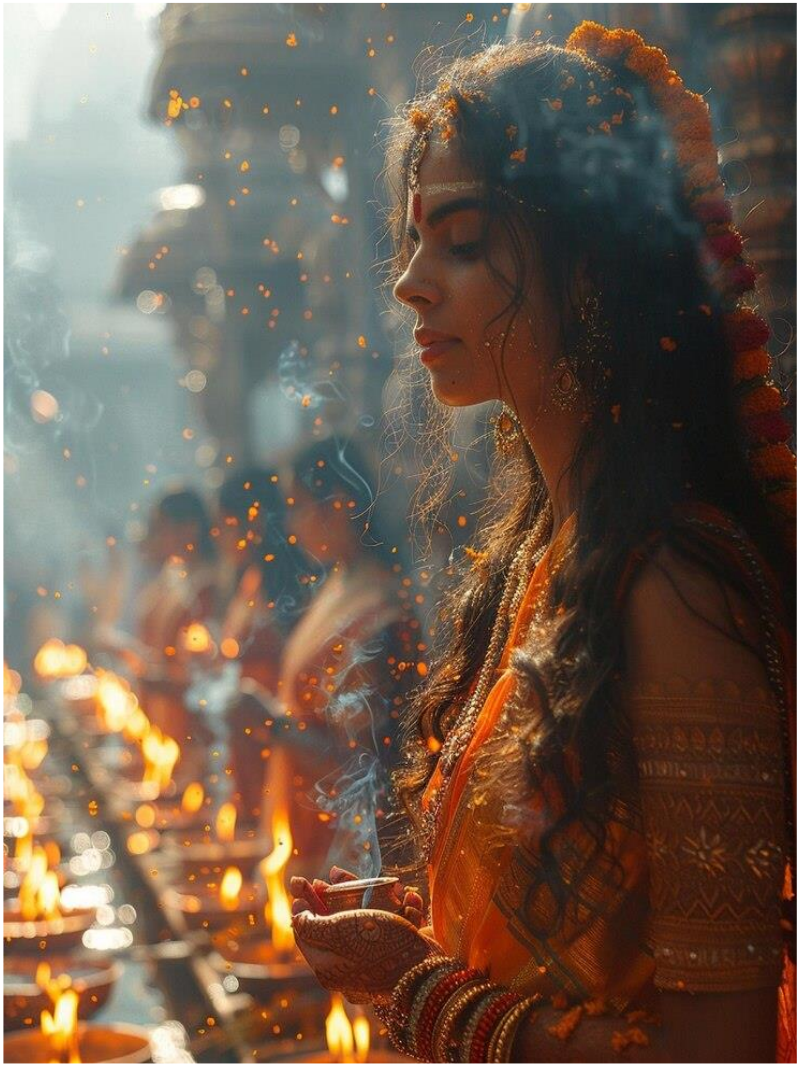

साधना का सबसे पहला नियम

1. साधना का दिन.

2. साधना कि जगह जो एकांत हो.

3. साधना का आसन किस रंग का है.

4. साधना का तिलक किस रंग का है, और किस चीज का है, जैसे:-लाल चंदन, सफेद चंदन, कुमकुम, सिन्दूर या और भी। बहुत से.

5. साधना की दिशा कौन सी है.

6. साधना वस्त्र पहनने या निर्वस्त्र होकर साधना करनी है.

7. साधना किस समय करनी है, दिन में, रात में, या और कोई अन्य समय पर.

8. कौन सी माला से जाप करना है.

जैसे:-रुद्राक्ष, तुलसी, या और कोई.

9. माला के मोतियों को किस उंगली से जपना है.

10.साधना के समय आपको यह बहुत ध्यान रखना है, कि साधना के समय कोई अन्य व्यक्ति आपके ओरे में ना। आय, या आपको ना छुऐ.

यह सब चीजें ध्यान में रखें और यह सब करने से पहले.

11. अपने गुरु की पूजा.

12. अपने घर के देवी-देवता की पूजा.

13. अपने इष्ट देवी या देवता की पूजा.

14. फिर ब्रह्मंभोज और कन्या भोज करा के साधना में बैठा। जाता है.

15. और गुरु से पूछ कर मंत्रों का दशांश किया जाता है,

THE FIRST RULE OF MEDITATION

1. Day of meditation.

2. A place of meditation which is solitary.

3. What colour is Sadhna's vision cushion. (seats).

4. Colour of sadhana's Tilak and what is it made? Like:- Red sandal wood, white sandal wood, Kumkum Sindoor or many more.

5.Which is the direction of Sadhana.

6. Sadhana has to be done wearing clothes or. Without clothes.

7. At what time should the Sadhana be done? During the day, at night, or at any otherclothes

8. Which rosary to chant with.

Like:- Rudraksh, Tulsi or any other.

9. With which fingers should the rosary beads. Be chanted.

10. During Sadhana, you have to be very careful. What no other person comes near you or. Touches you, keep all these things in mind. And before doing all this.

11. worship your Guru.

12. worship your home deity.

13. worship of your favorite deity.

14. Then after having Brahma Bhojan and Kanya. Bhojan, sit down tor meditation.

15. And after asking the guru, the Dasansh part of the mantras is done.

दशांश क्या होता है

दशांश हवन, प्रत्येक मंत्रों को सिद्ध करने के बाद किया। जाता है, जिसके अंतर्गत मन्त्र जाप का दसवां हिस्सा। आहुतियों के माध्यम से सिद्ध किया जाता है.

What is Dasansh

Dasansh havan is performed after proving each mantra, under which one tenth part of Mantra chanting is accomplished through offerings.

Only then the Sadhana becomes successful.

मंत्र कितने प्रकार के होते हैं

मंत्र सिर्फ तीन प्रकार के होते हैं.

1. सात्विक मंत्र
2. तामसिक मंत्र
3. शाबर मंत्र

फिर इन मंत्रों की विधि और जाप करने के तरीके अलग- अलग होते हैं.

1. सात्विक मंत्र:- किसी भी शक्ति की पूजा अर्चना करके और उनके प्रति समर्पित होकर उनसे अनुरोध करके मंत्र जाप करना बिना किसी अशुद्ध सामग्री को लेकर जाप करना.

जैसे:- जिन मंत्रों में (ॐ श्रंम) आते हैं वह सात्विक मंत्र कहलाते हैं.

HOW MANY TYPES OF MANTRAS ARE THERE

There are only three types of Mantras

1. Satvik Mantra
2. Tamasic Mantra
3. Shabar Mantra

The method of chanting there mantras and the way of doing it are different.

1. Satvik Mantra:- chanting mantras by worshipping any power, dwoting oneself to it and requesting it, Without using any impure material.

For example:- The mantras which contain (ॐ श्रंम) are called Satvik Mantras.

2. तामसिक मंत्र:-किसी भी शक्ति के मंत्र को सिद्ध करके और मलिन सामग्री, जैसे:- मास, खून, बाल, वस्त्र या नखुन आदि को प्रयोग में लाकर शक्ति को जबरदस्ती से भेजा जाता है, वह तामसिक शक्ति या तामसिक मंत्र कहलाते हैं.

जैसे:- जिन मंत्रों में (ॐ भट्ट स्वाहा) आता है वह तामसिक मंत्र होते हैं.

2.Tamasic Mantra:- Capable of proving any Shakti Mantra and getting rid of the impure material.

Such as:- Meat, Blood, Hair, Clothes or Nails can send forcefully that is tamasic Shakti or Tamasic Mantra.

Like:- The mantras in which (ॐ भट्ट स्वाहा) comes, those are Tamasic Mantras.

3. शाबर मंत्र:-किसी भी शक्ति का कोई सिद् गुरु, अपने मन से शक्ति को किसी के नाम की दुहाई देता है, या बांधने की बात बोलता है, उसे शाबर मंत्र कहते हैं.

3.Shabar mantra:- Any Guru, in his mind, let someone tie the shawal or ask to tie it is called Shabar Mantra.

इनमें से कौन से मंत्र ज्यादा प्रभावशाली होते हैं

पहली बात कौन सा मंत्र कितनी ताकत रखता है, यह मंत्र से ज्यादा मंत्र सिद्ध करने वाले की क्षमता पर निर्भर करता है, कहीं दफा सात्विक मंत्र बहुत अच्छा काम करते हैं,

और कहीं दफा तामसिक और शाबर मंत्र अच्छा काम करते हैं, जहाँ सात्विक मंत्र कुछ समय लेकर काम करते हैं, वहीं तामसिक और शाबर मंत्र जल्दी काम करते हैं.

WHICH OF THESE MANTRAS IS MORE EFFECTIVE?

First of all, how much power does the Mantra have, It depends more on the ability of the person performing the Mantra than on the Mantra itself.

Sometimes Satvik Mantra do good or sometimes Tamsic and Shabar Mantra do good.

While Satvik Mantras take some time to work, Tamasic and Shabar Mantras work quickly.

पर तामसिक या शाबर मंत्रों में कई दफा, करने वाले को दुष्प्रभाव का भी सामना करना पड़ता है,

जबकी सात्विक मंत्रों से काई दुष्प्रभाव नहीं देखने को मिलते.

जरूरी सूचना:-यह सिर्फ उनके लिए है, जो सात्विक, तामसिक या शाबर मंत्रों को सिद्ध कर चुके हैं. बाकी जो नए साधक हैं, या पुराने भी हैं, जो अभी सिद्ध नहीं हुए.

वह बहुत ध्यान से साधना करें क्योंकि मंत्र सात्विक हो, तामसिक हो या शाबर हो, गलती होने पर दुष्प्रभाव देगा ही देगा. बाकी मेरा मनना है, कि सात्विक मंत्रों का ही प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि सात्विक मंत्र लंबे समय तक प्रभाव में रहते हैं.

But if one does any anything wrong in Tamasic or Shabar Mantras then they have to face its adverse effects too. There is no side effects seen from Satvik Mantra.

Important Notice:- This is only for those who have perfected the Satvik, Tamsik or Shabar Mantras. Those who are new practitioners or old practitioners who have not yet become accomplished.

They should do Sadhana very carefully because whether the Mantra is Satvik, Tamasic or Shabar, if a mistake is made, It will definitely give bad effects.

I believe that only Satvik Mantras should be used because Satvik Mantra remain effective for a long time.

मंत्र जाप करने का तरीका

1.कुछ लोग मंत्र को बोलकर जाप करते हैं.

2.कुछ सिर्फ होठों को हिलाते हैं, बिंना शब्द को बहार निकाले.

3.कुछ होठों को भी बंद करके सिर्फ जीभ को ही हिलाते हैं.

4.और कुछ मानसिक जाप करते हैं.

एक साधक को प्रयास करना चाहिए, कि वह मानसिक जाप ही करें.

बाकी आप कोई भी तरीके से कर सकते हैं, पर बस मंत्र को बोलकर ना करें.

HOW TO CHANT MANTRA

1.Some people chant the Mantra by speaking it.

2.Some just move their lips without saying a word.

3.Some people even close their lips and move only their tongue.

4.And some do mental chanting.

A person to do this should try to do the. chanting mentally only.

You can do the rest in any way but just do not. do it by chanting the Mantra.

क्योंकि आप कितनी भी सावधानि रखें, किसी ना किसी के कान में आपका मंत्र चला ही जाएगा.

और किसी के कान में जाते ही आपका मंत्र प्रभाव हीन हो जाएगा, और अगर किसी के कान में ना भी गया, तो जब आप साधना करते हैं,

तो आपके आस-पास बहुत सारी सूक्ष्म तत्त्वों की शक्तियाँ या अदृश्य शक्तियाँ आने जाने लगती है, इस लिए मंत्र को गोपनीय तरीके से ही जपना चाहिए।

Because no matter how careful you are, your Mantra will reach someone's ears.

And your Mantra will become ineffective the moment it reaches someone's ears.

And even if you do not chant it, When you do Sadhana, many powers of subtle elements or ideal powers start coming and going around you, therefore the Mantra must be chanted in a secret manner.

आध्यात्मिक साधना या तंत्र विद्या का मालिक होना, इसका कोई सरल रास्ता नहीं है, यह एक ऐसा रास्ता है, जिस रास्ते में से कुछ समय बाद. इस रास्ते में से ही और बहुत सारे मोड़ और रास्ते आते हैं, यह सभी मोड़ और रास्ते सब कहीं ना कहीं पहुंचाते हैं. जो आपको. जीवन के एक नए आयाम पर ले जाता है, मगर इन सभी मोड़ और रास्तों में बहुत सारी रुकावतें भी आती हैं, जो आपको पूरी तरह से दिमागी तौर पर या शारीरिक रूप से आपको खत्म भी कर सकता है, और तो और आपके जीवन का भी अंत कर सकता है. आपको बहुत सावधानि से चलना होता है, आपकी एक जरा सी गलती और आपका खेल खत्म.

There is no easy way to do this, becoming master of Spirtual practice or Tantra Vidya.

This is such a path that after some time, some more turns and paths come from this path, all these turns and paths leads somewhere.

Which takes you to a new dimension of your life but there are many obstacles in all these paths.

Which can completely destroy you mentally or physically and even can end your life. You have to move very carefully, One small mistake and your game is over.

कुंडलिनी जागृत

हमारे शरीर में सात चक्र होते हैं.

1. मूलाधार चक्र

2. स्वाधिष्ठान चक्र

3. मणिपुर चक्र

4. अनाहद चक्र

5. विशुद्ध चक्र

6. आज्ञा चक्र

7. सहस्त्रार चक्र.

KUNDALINI AWAKENED

There are seven Chakra in our body

1. Muladhar Chakra

2. Swadhisthana Chakra

3. Manipur Chakra

4. Anahad Chakra

5. Vishuddha Chakra

6. Agya Chakra

7. Sahashar Chakra.

शरीर के यह सात चक्रों को दो तरीके से जागृत किया जा सकता है.

1. योग और ध्यान से.

2. अपने गुरु मंत्र या सिद्ध करें हुए मंत्र से.

कुछ लोगों के सारे जीवन में एक या दो चक्र ही जागृत हो. पाते हैं, और कुछ लोगों के तो पूरे जीवन काल में एक भी. चक्र जागृत नहीं हो पाते!

योग और ध्यान से

1. योग या ध्यान से यह चक्र बहुत ज्यादा समय में जागृत होते. हैं, जब तक लोग, योग या ध्यान से हट जाते हैं, या कुछ का. जीवन काल खत्म हो जाता है, बहुत कम लोगों को योग या ध्यान से सफलता मिलती है, क्योंकि समय बहुत ज्यादा लगता है

THESE SEVEN CHAKRAS OF THE BODY CAN BE AWAKENED IN TWO WAYS:

1. Do yoga and Meditation.

2. With your Guru Mantra or a proven Mantra.

Some people are able to awaken only one or two Chakras in their entire life, while some. people never awaken their Chakras in their entire life.

Do yoga and Meditation

1. Through yoga and meditation, these Chakras are awakened for a long time, till the time people move away from yoga or meditation or the life span of some ends, very few people get success from yoga or meditation because it takes too much time.

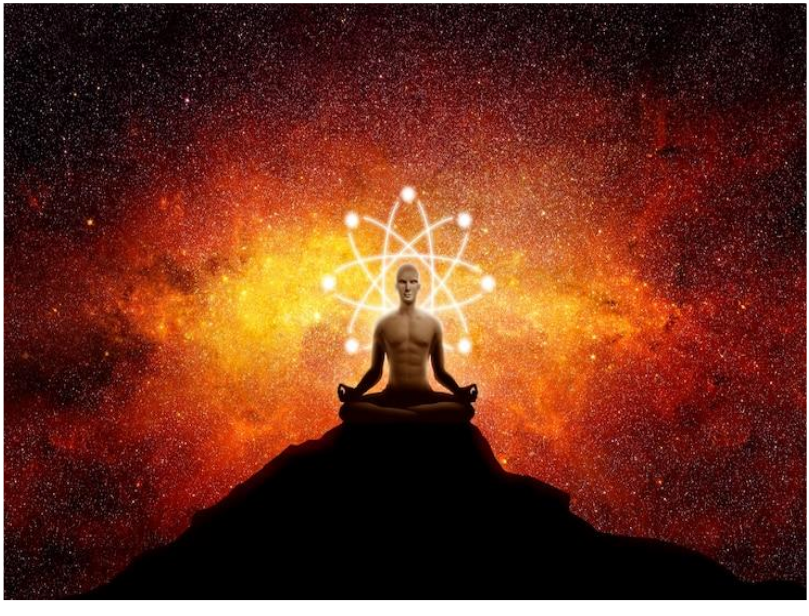

2. अपने गुरु मंत्र या सिद्ध करें हुए मंत्र से

2. अपने गुरु मंत्र या सिद्ध करने वाले मंत्र से जो लोग अपनी सिद्धियों की ओर बढ़ते हैं, तो आपके शरीर का ओरा इतना ऊर्जावान हो जाता है, कि आपके चक्रों पर प्रभाव पड़ने से. वह अपने आप ही खुल जाते हैं. और जिन शक्तियों की आप. पूजा या साधना कर रहे होते हो, वह भी आपको आशीर्वाद. देकर मदद करती है, और दोनों ही तरफ से ऊर्जा प्राप्त होने. के कारण (ओरा ऊर्जावान और साधना की शक्ति का. आशीर्वाद) आपके चक्र बहुत कम समय में ही जागृत हो. जाते हैं, जबकी आप चक्रों पर ध्यान भी नहीं देते और आपके चक्र जागृत हो जाते हैं, और अगर आप पूजा या साधना करते समय चक्रों पर ध्यान देंगे तो ना आपकी साधना या पूजा सफल होगी और न ही कोई चक्र जागृत होगा, आप अपनी पूजा या साधना पर ध्यान दें, चक्र समय के साथ-साथ अपने आप जागृत हो जायेंगे और बहुत जल्दी.

2. With your Guru Mantra or a proven Mantra.

2. People who move towards their achievements with the help of their Guru Mantra or Siddha Mantra. So the aura of your body becomes so energetic that due to its impact on your Chakras, they open automatically.

And the powers whom you are worshiping or doing Sadhana also help by giving your. blessings and due to receive energy from both the sides (Aura energetic and blessings of Sadhana).

You don't even pay attention to your Chakras. And your Chakras get awakened completely.

And if you pay attention to the Chakras while doing Puja or Sadhana, then neither your. Sadhana or Puja will be successful nor will any. Chakra get awakened. If you pay attention to your Puja or Sadhana, the Chakra will get awakened automatically with time and very soon....

पूजा करने की माला

पूजा करने की माला को कभी भी जाप करते समय धरती पर नहीं लगने देना चाहिए, और जाप करते समय माला के सुमेरु का उल्लंघन हीं करना चाहिए, अगर आप 108 से ज्यादा जाप करते हैं तो माला के सुमेरु से पहले ही माला को पलट देना चाहिए.

वैसे तो माला रुद्राक्ष की, और दाहिने हाथ कि अंगुष्ठा और अनामिका उंगली से ही जाप करना चाहिए, मगर यह बहुत ध्यान रखने की चीज है, कि आप क्या साधना और किस देवी-देवता की पूजा कर रहे हैं, उनके अनुसार माला और हाथ की उंगली का चयन करें,

सब देवी-देवता की साधना और पूजा अलग-अलग विधियों से होती हैं.

PRAYER BEADS

The rosary should never be touched the ground while chanting.

And the thread of the rosary should not be turned upside down while chanting.

If you chant more than 108 then the rosary should be turned before the sumeru of the rosary.

Although, the rosary should be used towards Rudraksha with the thumb and ring finger of the right hand, But it is very important to keep in mind that you should select the rosary and finger of the hand according to the Sadhana and the deity you are worshipping.

There are different methods for every Sadhana, puja and deity.

भूत-प्रेत की सीमा

क्या भूत-प्रेत किसी भी मनुष्य को परेशान कर सकते हैं:-

नहीं, अगर वह किसी भी मनुष्य को परेशान कर सकते हैं, तो वह लोग जो किसी को भी मार देते हैं,

जैसे:- आपसी दुश्मनी या किसी और वजह से आपस में एक दूसरे को मार देते हैं, तो वह सब भूत-प्रेत बनकर उनको परेशान ना करें.

ऐसा नहीं होता हर भूत-प्रेत की एक सीमा होती है.

THE LIMITS OF GHOSTS

Can ghosts trouble any human being:-

No, if they can trouble any human being then it is those who kill someone.

For example:- If people kill each other due to mutual enmity or any other reason, then they should not trouble them by creating ghosts.

This does not happen, every ghost has a limit.

किसी भी भूत को जब तक मंत्रों द्वारा किसी के पास ना भेजा जाए या व्यक्ति खुद भूत-प्रेतों की जगह पर जाकर उन्हें परेशान ना करें, जब तक कोई भूत-प्रेत मनुष्य को कुछ नहीं कर सकते. मगर फिर भी लोग इन भूत-प्रेतों और जिन्नो के चक्कर में आ जाते हैं, कैसे:-

कुछ लोगों पर आपसी तनाव के चलते, तांत्रिकों की मदद से मंत्रो या तंत्र विधि से शक्ति को जागृत करके भेजा जाता है, जब किसी पर प्रभाव पड़ता है.

Unless any ghost is sent to someone through mantras or unless one goes to the place of ghosts and troubles them, no ghost can do anything to a human being.

But still people get entangled in the trap of these ghosts and jinn's, How:-

Due to mutual hatred against some people, with the help of some Tantrik, or Tantra Vidya can be awakened and send with the help of the spirits.

When someone is affected.

या फिर कोई व्यक्ति उस जगह पर जाकर, जहां पर भूत-प्रेत का पुराना निवास हो, वहां पर कुछ गलत हरकतें ना करें.

जैसे:- पेशाब करना, शराब पीना या कुछ ऐसा जिससे उस प्रेत को परेशानी हो.

बहुत से केसों में यह भी देखा गया है, कि प्रेत या जिंन्न किसी पर प्रभावित भी हो जाते हैं, यह भी यही कारण होते हैं.

कुछ बच्चियां या महिलाएं गलत समय या गलत जगह पर ज्यादा श्रृंगार या ज्यादा खुशबू लगाकर किसी सुनसान जगह या ऐसी कोई जगह जहां पर प्रेत या जिंन्न का वास हो, चली जाती हैं, तो बहुत ज्यादा स्थिति होती हैं, यह सब होने की.

Or else a person should not go to a place where the ghosts used to live and do something wrong there.

Like:- Urinating, Drinking alcohol or doing something that may trouble the ghost.

It has also seen in many cases that ghosts or jinns influence someone and this is also the reason behind this.

Some girls or women, at the wrong time or at wrong place, wear too much makeup or perfume and go to some deserted place or a place where ghosts or spirits reside, then there are high chances of all this happening.

और, एक ओर कारण होता है भूत-प्रेत या जिंन्र के चक्रों में पढ़ने का, जो बहुत ज्यादा प्रभावशाली और बहुत ज्यादा देखा जाता है. कुछ लोग ज्यादातर युवा पीढ़ी गलत तांत्रिकों के चक्कर में या तंत्र-मंत्र की किताबें पढ़कर सोचते हैं, कि हम सब कुछ कर सकते हैं, और फिर इस जाल में ऐसा फस्ते है, कि वों कहीं के भी नहीं रह जाते.

वो अपना शरीर, दिमाग और चरित्र इतना खराब कर लेते हैं,

कि लोग, इनको हिंन दृष्टि से देखने लगते हैं, इनको गंभीर बीमारियाँ या दिमागी संतुलन खराब होना, जैसी परेशानियाँ होने लगती हैं.

And one more reason is of getting involved in the circle of ghosts or jinns which is very influential is seen very frequently.

Some people, mostly the young generation, get influenced by wrong Tantriks and read books on Tantra Mantra and think that they can do something.

And then the get caught in this trap that they become worthless.

They ruin their body, mind and character so much that they start getting serious diseases or problems like mental imbalance.

और बहुत देखा जाता है, कि ज्यादातर तांत्रिकों का अंत रहस्यमय घटना या रहस्यमय तरीकों से होता है, इन सबका यही कारण होता है.

कि आप बिना ठीक से जाने या बिना अच्छे तरीके से, इन शक्तियों को या भूत-प्रेतों को जागृत करने की कोशिश करते हैं, और यह चीजे जो आपको फ़ायदा देनी चाहिए थी,

वो आपको हानी की तरफ ढ़केल देती है.

मेरे पास, कई ऐसे केस आते हैं, उनमें से एक केस की बात करते हैं.

And it is often seen that most of the Tantriks meet their end in mysterious events or in mysterious ways.

The reason for all this is that you try to awaken these powers or ghosts without knowing properly or without knowing the right way and this thing which should have benefited you, pushes you towards harm.

Many such cases come to me, let us talk about one of those cases.

लड़की और तांत्रिक का जाल

एक युवा लड़की जब मेरे पास आई थी, जब करीब 19-21 साल की थी.

उसे भी किसी ने इन चीजों के फायदे बताकर गलत तरीके से मंत्र जाप दिया, और कुछ तरीके बताए. कि रोज रात का भोंजन करने के बाद, इस मंत्र को, इस तरह से करो.

और वो बिना घर वालों को बताए, वह इस काम को करने लगी. रोज भोजन करके, वो अपने कमरे में जाकर कुछ समय बाद, जब सब घर वाले सो जाते,

तो वह यह काम करने लगती, उसको किसी तांत्रिक ने बताया था.

THE TRAP OF THE GIRL AND THE TANTRIK

A young girl came to me when she was about 19-21 years old. Someone told her about the benefits of these things and chanted the mantras in the wrong way and told her some ways to chant these mantras every night after having dinner.

And she started doing this work without information the family members.

Every day after having food, she used to go to her room and after some time when the family members used to sleep, she used to start doing this work .

Some Tantrik had told her that.

कि वो रोज दिया जलाकर कुछ राई, काला, कपड़ा, चावल और कुछ मीठा जैसे:- गुड़ या शक्कर.

वो रोज सिर्फ एक पतला कपड़ा लपेट कर, जो उसे ऊपर से नीचे तक, ढ़क रहा होता था. और दिया जलाकर उसी एक काले कपड़े पर, इन सब चीजों को रखती, और मंत्र जाप करती थी. और मंत्र जाप होने के बाद, वह अपने शरीर का कुछ बूंद खूंन उस काले कपड़े पर लगा देती थी.

She used a light a lamp every night and put some mustard seeds, black cloth and some sweet like:- Jaggery or sugar and she used to wrap herself in a thin cloth which used to cover her from top to bottom and after lighting the lamp, she used to keep all these things on that black cloth and used to chant mantras and after chanting the mantras, she used to put a few drops of blood from her body on that black cloth.

जिससे उस तांत्रिक को इस लड़की पर धीरे-धीरे नियन्त्रण प्राप्त हो रहा था.

और वो लड़की इन सब बातों से अंजान थी, वो यह सोच रही थी, कि मैं जिस काम के लिए, यह सब कर रही हूं, वह ठीक से हो जाए.

और उधर वह तांत्रिक भी यह सोच रहा था, कि जो समय उस काम का था, वो समय बीत गया था, पर ठीक से नियन्त्रण नहीं हो पा रहा था.

Due to which the tantrik was slowly-slowly gaining control over the girl and the girl was unaware of all these things.

She was thinking that the work for which she was doing all this should be done properly and on the other hand the Tantrik was also thinking that the time for that work had passed but it was not being done properly.

एक दिन उसके घर पर सबको, एक शादी में जाना था,

पर इस लड़की ने जाने से मना कर दिया, क्योंकि इसे अपना काम करना था.

और घर वालों की नज़र में सब कुछ ठीक चल रहा था.

तो घर वालों ने भी ज्यादा सोचा नहीं और वह सब शादी में चले गए.

रात को भोजन के बाद, जैसे रोज होता था, वैसे ही लड़की ने अपना काम शुरू किया.

वो.... रात 13-14 दिन की रात थी, जिस दिन से उसने पूजा करना शुरू किया था.

One day everyone in her house had to go to a wedding but the girl refused, because she had to do her work and in the eyes of the family members everything was going well so the family members also did not think much and they all went to the wedding.

At night after dinner as it happened every night.

In the same way the girl started her work.

That night was the night of 13-14 day from the day she started doing Puja.

उसने दिया जलया और मंत्र जाप शुरू किया, कुछ समय बाद ही, उसे कुछ अलग-अलग लगना शुरू होने लगा.

जैसे कि कानों से धीरे-धीरे आवाज कम होनी, चारों तरफ कुछ ऐसा की, जैसे वायु में दबाव सा महसूस हो रहा हो.

और जैसे की उसके पीछे कोई छाया हो.

और उसे यह एहसास हो रहा था, कि जैसा वह साया उस तांत्रिक का ही.. हो.

She lit a diya and started chanting mantras.

After some time she started feeling something different.

Gradually the sound in his ears started to diminsh, there was something all around as if there was pressure in the air and as if there was a shadow behind her and she felt as if the shadow belonged to that Tantrik.

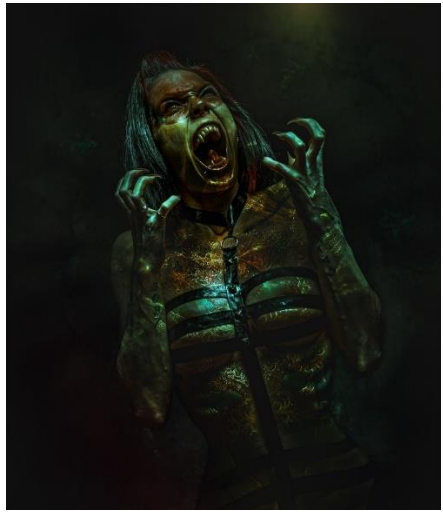

जिस जगह वह मंत्र जाप कर रही थी, उसके पीछे एक खिडक़ी थी, जो खुली थी.

एक और खिड़की जो सीधे हाथ की तरफ थी, और उल्टे हाथ की तरफ दरवाजा था, जहां से घर में से लड़की के कमरे में आते थे, और वो साया पीछे खिड़की पर रहकर उसको आकर्षित कर रहा था, वह लड़की अंदर ही अंदर से बहुत ड़र रही थी.

मगर उसने मंत्र जपना नहीं छोड़ा. और वो लगातार मंत्र जपती रही.

और यह सब चलता रहा लड़की बहुत घबरा गई थी.

There was a window behind the place where she was chanting mantras, which was open, another window which was on the right hand side and there was a door on the left hand side from where people used to enter the girl's room from the house and that shadow was attracting her by staying behind the window.

The girl was very scared from inside. But she did not stop chanting mantras continuously and all this kept going on.

The girl was very scared.

कुछ समय बाद मंत्र जाप पूरा हुआ. और जैसे वो रोज करती थी. उसने वही किया, उसने काले कपड़े पर अपना खून लगाया और खून लगाते ही, वो बेहोश हो गई.

बेहोशी ऐसी जैसे कि उसका शरीर काम नहीं कर रहा हो.

मगर दिंमाग, आंखें, कान और नाक काम कर रहे थे.

वो बहुत परेशान हो गई थी, और बहुत ज्यादा घबरा भी रही थी. पर कुछ भी कर नहीं सकती थी, क्योंकि आवाज भी निकाल नहीं पा रही थी, वो पूजा करके उठी ही थी, कि यह सब हुआ.

After some time the chanting of Mantra was completed and she used to do it every night.

She did the same thing, she put her blood on the black cloth and as soon as the blood touched her, she fainted.

The unconsciousness was such that her body was not working but her brain, eyes, ears and nose were working.

She was very disturbed and was very scared but she could not do anything because she was not able to make a sound.

She had just got up after doing the Puja when all this happened.

तो अब उसका चेहरा खिड़की की तरफ था, और अब उसे वह तांत्रिक दिख रहा था, जैसे कि बहुत धुँधला साया था. मगर उसे यह साफ था, कि यह वही तांत्रिक है और जैसे तांत्रिक खिड़की से अंदर आना चाहता हो, मगर वो अंदर नहीं आ... पा... रहा था. वो कभी दूसरी खिड़की पर दिखाई दे, और कभी दूसरी खिड़की पे.

पर वह अंदर नहीं आ_ पा_ रहा था. और वह बहुत कोशिश करता रहा, उसके चेहरे पर साफ दिख रहा था, कि वो बहुत आसफल हो रहा है.

Now her face was towards the window and when she could see that tantrik, It was as if there was a very blurred shadow, but it was clear to her that this was the same tantrik and the tantrik wanted to come inside her through the window.

But he was not able to get inside. He would sometimes appear at one window and sometimes appear at another window but he was not able to get inside and he kept trying a lot.

It was clearly visible on his face the he was failing.

Actually, he was unable to succeed.

दरसल उसको एक अंजानी शक्ति जो कि घर और कमरे के दरवाजे से एक अलग सी ऊर्जा का संचार कर रही थी.

उस कारण वह तांत्रिक सफल नहीं हो पाया.

यह सब कुछ, करीब 09:00---01:30 तक चला फिर सब ठीक हो गया, और लड़की बहुत डर के कारण कब सो गई लड़की को पता ही नहीं चला.

उसके माता-पिता और घर के सभी लोग करीब 02:30----03:00 के आस पास आए, और डर से सो जाने के कारण लड़की ने पूजा का कुछ भी समान साफ नहीं किया था. और कुछ आवाजें लगाने के बाद जब घर वालों ने कमरे से कुछ भी आवाज नहीं आई तो, घर वालों ने घबराकर कमरे की खिड़की से जाकर दरवाजा खोला.

Because of an unknown power which was transmitting a different energy from the door of the room of the house.

All this went on till around 09:00-01:30 and then everything became fine and the girl did not know when she fell asleep due to extreme fear.

Her parents and all the family members came back around 02:30-03:00.

And due to fear, the girl did not clean any of the Puja material and after calling out a few times, when the family members did not hear any sound from the room, they panicked and went through the window of the room and opened the door.

जब काला कपड़ा और सब समान देखा तो, बहुत डर गए. फिर जल्दी से लड़की को उठाया और यह सब पूछा तो लड़की ने सब कुछ सच-सच घर वालों को बता दिया, यह एक काम लड़की ने बहुत अच्छा किया की घर वालों को सब बता दिया.

क्योंकि घर वाले ही होते हैं, जो हर मुश्किल से बचाते हैं. घर वालों ने भी सब कुछ समझा. और उसे आगे के लिए समझाया और उस दिन से लड़की ने फालतू के सब मंत्र, पूजा बंद कर दी और घर पर ही, जो पूजा पाठ होता थी, वोही करती थी, सब कुछ ठीक हो गया था. ऐसा लड़की और घर वालों को लग रहा था.

When they saw the black cloth and all the material, they got very scared. Then they quickly woke up the girl and asked her everything, then the girl told everything truthfully to the family members. The girl did one good thing that she told everything to the family members because it is the family members who save us from every difficulty. The family members also understood everything and explained it to her for the future and from that day the girl stopped all useless Mantra and did only the Puja that is done at home. When everything became fine, the girl and the family members.

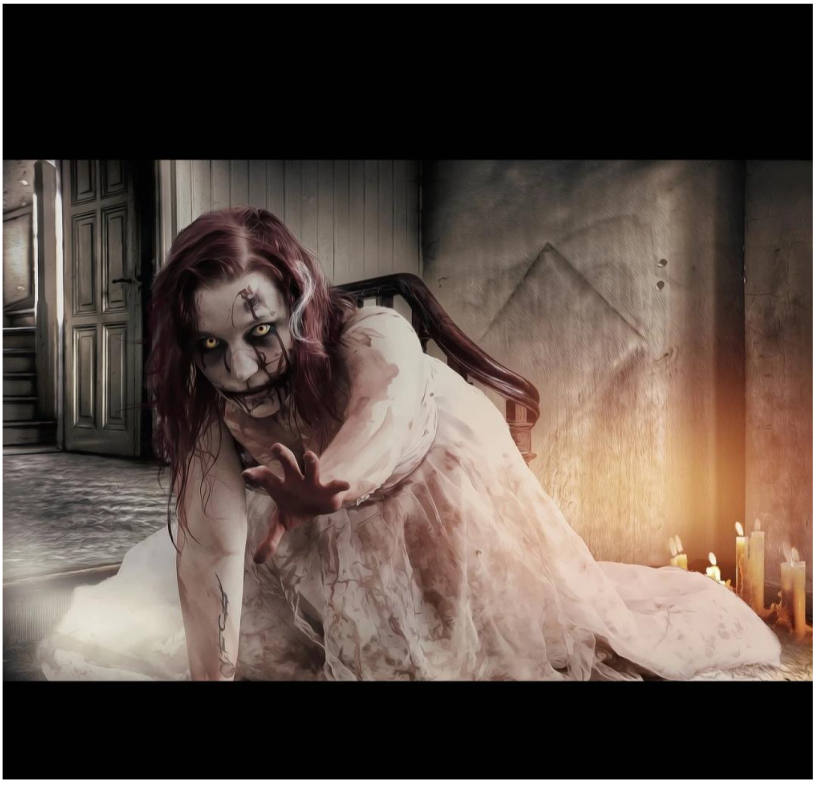

कुछ समय बाद ही, लड़की को बहुत खराब-खराब सपने आने लगे. जैसे उसके साथ वही तांत्रिक जबरदस्ती कर रहा हो. या उसे कहीं बहुत दूर सुनसान जगह पर ले जा रहा हो.और धीरे-धीरे लड़की की तबीयत भी बहुत खराब होने लगी वह जब मर्जी बेहोश हो जाति, और बहुत ज़्यादा कमजोर भी हो गई.

फिर घरवालों ने मुझसे बात की और मेरे पास लड़की को लाए, तब घरवालों को और खुद उस लड़की को पता चला की, पर पहले हमने लड़की के मुंह से ही सब बुलवाया और फिर बताया.

Felt that after some time the girl started getting nightmares.

As if the same tantrik was forcing himself on her or taking her to a very far away deserted place and gradually the girl's health started deteriorating. She would faint whenever she wanted and became very weak.

Then the family members talked to me and brought the girl to me, then the family members and the girl herself came to know that but first we made the girl say everything and then told that.

की वो तांत्रिक इस लड़की को अपने वश में करके उसका फ़ायदा उठाना चाहता था। और इस लड़की की मदद से ही, अपनी सिद्धियों को बल देना चाहता था।

और जो उस रात हुआ. इस लड़की के माता-पिता मेरे पास बहुत समय से आते थे, और इन्होने मुझे गुरु भी बनाया था।

इसी कारण जब उस तांत्रिक ने लड़की को यह सब करने को कहा, तो जो तांत्रिक का समय था, उस समय से अधिक इस्लिय लगा। क्योंकि जिन लोगों ने मुझसे गुरु मंत्र लिया था, वो लोंग लड़की की पूजा के समय घर पर ही होते थे।

इसी वजह से गलत पूजा, मंत्र, जाप घर पर ठीक से प्रभाव नहीं डाल पा रही थी.

The tantrik wanted to take advantage of the girl by controlling her and wanted to strengthen his Siddhis with the help of that girl and what happened that night, the parents of this girl had been coming to me tor a long time and they had also made me their Guru. That is why the tantrik asked the girl to do all this, so it took more time than the time of the tantrik, because the people who had taken Guru Mantra from me were at home at the time of the girl's worship. That is why the wrong worship Mantra chanting was not able to have a proper effect on the house.

और जिस दिन तांत्रिक की शक्तियों को मौका मिला उस दिन यह सब हुआ, और जो लड़की पूजा के बाद बेहोश हो गई थी, उसके सिर्फ आंख और दिमाग ही चल रहे थे. उसको यह बेहोशी की हालत में लाने वाली ऊर्जा हमारी तरफ से ही थी, अगर लड़की बेहोश नहीं होती, तो तांत्रिक घर के अंदर तो कुछ नहीं कर पता क्योंकि घर पर रोज मेरे द्वारा गुरु मंत्र और मेरे ही द्वारा (नाम उजागर नहीं करना चाहिए) माता की पूजा होती थी, जो मैंने उनको गुरु मंत्र देने के साथ माता की पूजा भी बताई थी. जो घर के कमरे के दरवाजे से ऊर्जा का संचार हो रहा था, जिस कारण से तांत्रिक ना कुछ कर पा रहा था और ना ही खिड़की से घर के अंदर अपनी ऊर्जा भेज पा रहा था और अगर लड़की बेहोश नहीं होती तो जो लड़की मंत्र जाप कर रही थी, उस ऊर्जा से लड़की घर के बाहर चली जाती और फिर बहुत ज्यादा अनहोनी होने की संभावना थी.

And the day the Tantrik's powers got a chance, all this happened and the girl who fainted after the Puja, only her eyes and brain were working. The energy that made her unconscious was from our side only.

If the girl had not fainted, the tantrik would not have been able to do anything inside the house because in that house, Guru Mantra and maa Puja were done by me every day which I had told him about along with giving him Guru Mantra, which was transmitting energy from the door of the room of the house. Due to which the tantrik was not able to do anything nor was he able to send his negative energy inside the house through the window. And if the girl had not fainted, the girl who was chanting the Mantra, with that energy, she would have gone out of the house and then there was a possibility of something very untoward happening.

सारांश यह है कि:-

1.माता ने उस लड़की को बचाया, इसलिए क्योंकि लड़की उस घर का हिसा थी. जिस घर में माता और गुरु का वास था।

2.और लड़की को इतनी परेशानियाँ इसलिये हुई क्योंकि लड़की गलत शक्तियों को खुद अपनी मर्जी से घर पर लाई थी।

अब उस लड़की ने खुद अपनी मर्जी और परिवार की आज्ञा से हमे पूरे परम्परागत तरिके से गुरु बनाया.

और कुछ समय लगा लड़की के ओरे को ऊर्जा देने में और उसे ठीक करने में।

और वो बिल्कुल ठीक हो गई, इसलिए बिना सोचे समझे खासकर युवाओं को इस तंत्र-मंत्र या सिद्धियों में बिना अच्छे गुरु के मत आईए. सिर्फ भगवान का नाम और गुरु मंत्र का जाप ही करो जो साधारण पारिवारिक लोग हो, उनको यही करना चाहिए।

THE SUMMARY IS:-

1. Mata saved the girl because she was a part of the house where Mata and Guru resided.

2. And the girl had to face so much trouble because she had brought wrong powers to the house by her own will.

Now the girl herself made us her Guru by her own will and with the permission of the family in a completely traditional way and it took some time to give energy to the girl and to cure her and she got completely cured so without thinking, especially the youth should not come into this Tantra Mantra or Siddhis without a good Guru.

Just chant the name of God and Guru Mantra, people who are ordinary family people should do this only.

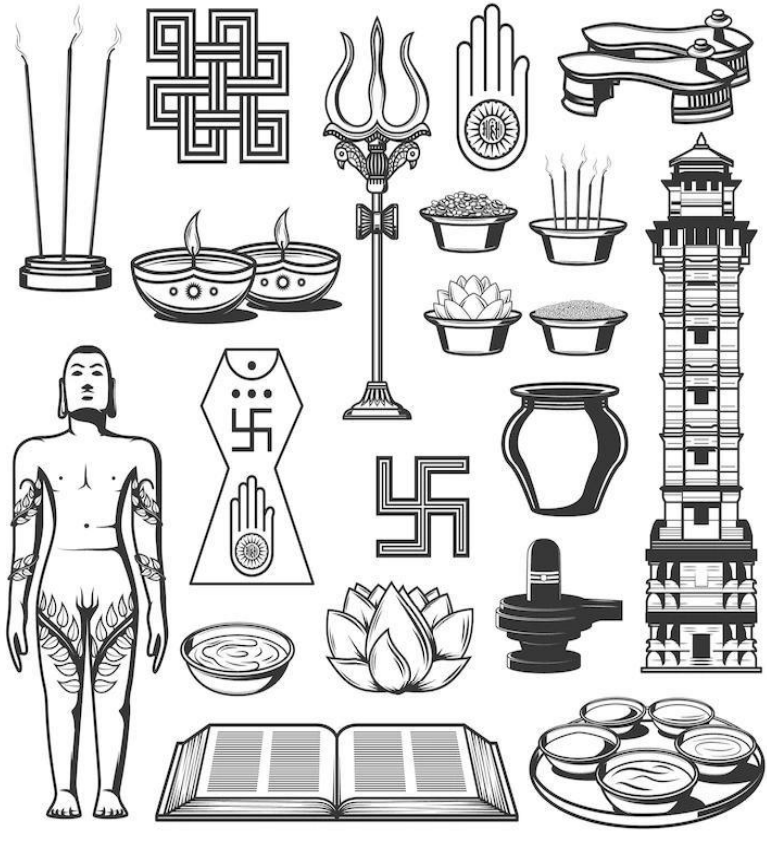

पूजा के पाँच प्रकार

शास्त्रों में पूजा के पाँच प्रकार बताऐ गए हैं:-,अभिगमन, उपादान, योग, स्वाध्याय और इज्या।

1.अभिगमन:- देवी-देवता के स्थान को साफ करना, लीपना, निर्माल्य हटाना. ये सब कर्म अभिगमन के अन्तर्गत है।

2. उपादान:- गन्ध, पुष्प आदि पूजा सामग्री का संग्रह उपादान है।

3. योग:- इष्ट देव या देवी की आत्म रूप से भावना करना योग है।

FIVE TYPES OF WORSHIP

Five types of worship have been described in the scriptures:-

Abhigaman, Upadana, Yoga, Swadhyaya and Ijya.

1. Abhigaman:- Cleaning and plastering the place of God and goddess, removing the remains all these deeds come under Abhigaman.

2. Upadana:- Collection of worship materials like scriptures, flowers etc, Is Upadana.

3. Yoga:- Imagine the Ishta Dev and Devi as your soul is yoga.

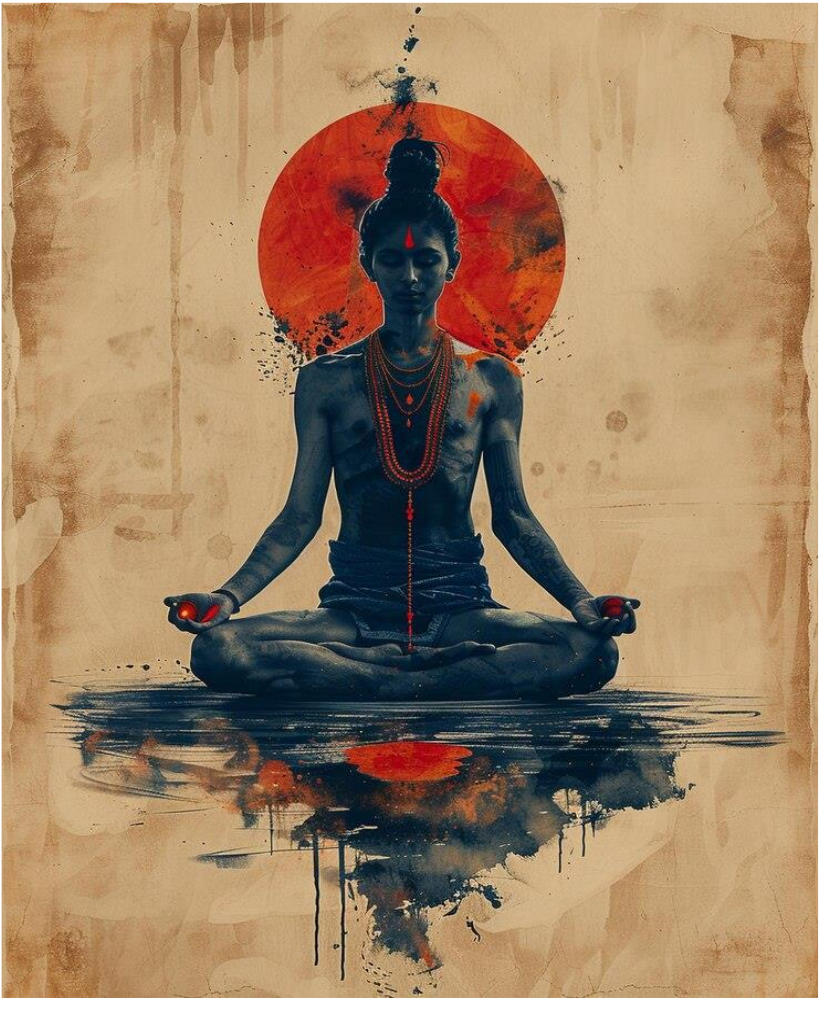

4. स्वाध्याय:- मन्त्रार्थ का अनुसंधान करते हुए जप करना, सूत्क, स्तोत्र आदि का पाठ करना, भगवान के गुणों का नामो का कीर्तन करना और वेदों, शास्त्रों आदि का आभियास करना, ये सब स्वाध्याय है।

5. इज्या:- उपचारों के द्वारा अपने आराध्य देव की पूजा "इज्या" है।

ये पाँच प्रकार की पूजा शास्त्रों में अच्छा फल देने वाली है।

वैसे:- और भी बहुत तरीको की पूजायें होती है, इसके अलावा भी।

4. Swadhyaya:- Chanting while researching the Mantraargh, reciting sakta, strot etc. Chanting the names of God and practicing the Vedas, Scriptures etc. All this in Swadhyaya.

5. Ijya:- Worshiping your Worshipped deity through remedies is "Ijya".

These five types of worship give good results as per the scriptures.

However, there are many other ways of worship too.

Apart from these too.

समकालीन
जनमंच
राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष: ५, अंक: ३२ ९ से १५ जून १९९४ आर. एन. आई. नं. ५०५५६/८९ मूल्य २ रूपये

'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्र का सेना द्वारा सफल प्रक्षेपण

प्रधानमंत्री नरसिंह राव की अमेरिका यात्रा के मद्देनजर 'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण स्थगित कर दिया गया था। उनकी वापसी के बाद उसे पुनः शुरू कर दिया गया है। 'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्र का तीन दिनों के भीतर दो बार सफल प्रक्षेपण परीक्षण हो जाने से अब सतह से सतह पर मार करने वाली भारत की इस अति महत्त्वपूर्ण प्रक्षेपास्त्र का सेना को सौंप दिया जाना तय है। इस बार के दोनों परीक्षण सेना और सेना के उस अंग द्वारा किए गये जिन्हें युद्ध के समय इस प्रक्षेपास्त्र का वास्तव में उपयोग करना है। थल सेना के तोपखाने के अधिकारियों द्वारा किया गया दूसरा परीक्षण इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण था कि इस परीक्षण के आधार पर ही अन्तिम रूप से तय होना था कि क्या 'पृथ्वी' वास्तव में सेना के उपयोग की परिधि में आ चुका है या नहीं। इस परीक्षण के सफल सिद्ध हो जाने के बाद अब सेना में इसे जल्दी ही शामिल कर लिया जाना तय है।

इस परीक्षण के साथ ही 150 से 250 कि.मी. तक सतह से सतह पर मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण पूर्ण हो गया है। इसके शेष परीक्षण सेना के युद्ध भूमि वाले वातावरण में देश के अन्य भागों में स्थित थलीय चांदमारी क्षेत्रों में किए जायेंगे। इस संदर्भ में रक्षा अधिकारियों ने कहा है कि सेना अभी इस मध्यम दूरी के प्रक्षेपास्त्र का और गहन परीक्षण करेगी, जिसमें इसके निर्देशन, नौवहन तथा अन्य प्रणालियों की जांच की जायेगी। उल्लेखनीय है कि थल सेना ही 'पृथ्वी' की सबसे पहली खरीददार है। थल सेना तथा वायु सेना दोनों पृथ्वी के आरम्भिक आदेश दे चुकी हैं और थल सेना अपने विभिन्न अंगों में 'पृथ्वी' को जल्दी शामिल करने के लिए जोर दे रही है ताकि भारी तोपखाने की कमी को पूरा किया जा सके।

थल सेना मुख्य रूप से 150 किलोमीटर तक मार करने वाली 'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्रों को बड़ी संख्या में खरीदना चाहती है जो एक टन घातक आयुध को लेकर मार कर सके। थल सेना ने 250 किलोमीटर तक मार करने वाले 'पृथ्वी' प्रक्षेपास्त्र के लिए भी आदेश दिए हैं। वायु सेना ने भी अपने अग्रिम हवाई ठिकानों की रक्षा तथा दुश्मन के अग्रिम हवाई ठिकानों को प्रक्षेपास्त्र के दायरे में लाने के लिए लम्बी दूरी तक मार करने वाले प्रक्षेपास्त्रों को चुना है। उल्लेखनीय है कि 'पृथ्वी' भारत के समन्वित प्रक्षेपास्त्र कार्यक्रम के तहत विकसित पांच प्रक्षेपास्त्रों में से एक है। अन्य चार प्रक्षेपास्त्र हैं- अग्नि, त्रिशूल, आकाश और नाग।

पूर्णतः स्वदेशी निर्मित मध्यम दूरी की प्रक्षेपास्त्र 'पृथ्वी' 500 किलोग्राम वजन के साथ 250 किलोमीटर तक सटीक मार कर सकती है। अगर शस्त्र मुख का भार बढ़ाकर दुगुना कर दिया जाए तो यह 150 किलोमीटर तक सटीक मार कर सकती है।

उ० प्र० में सत्तारूढ़ दल की ताकत बढ़ी

उत्तर प्रदेश विधान सभा की छह सीटों के लिए सम्पन्न हुए उपचुनावों में सत्ताधारी सजपा-बसपा गठबंधन ने चार सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी बढ़ती ताकत का परिचय दिया है। इस उप चुनाव में समाजवादी पार्टी ने निघौली कलां और भगवंत नगर सीटों पर विजय हासिल की है और बसपा ने मंझनपुर और गाजीपुर सदर की सीट पर। जबकि भाजपा को हस्तिनापुर और कासगंज की ...यों से ही संतोष करना पड़ा। इन ...वों में कांग्रेस के हाथ एक बार ...राशा ही लगी। भाजपा को भी ...का लगा है। उसे भगवंत नगर ...ाने के साथ-साथ ...ों की ...वट भी झेलनी पड़ी है। ... भाजपा के ... का ...बढ़ा है। ...न में सत्ताधारी ...लायम सिंह ...यके द ...गज ... 18 हजार मतों से पराजित कर जीते हैं और परिवहन मंत्री आर. के. चौधरी ने भाजपा की मंजू चन्द्रा को मंझनपुर सीट पर नौ हजार से अधिक मतों से पराजित किया। वस्तुतः ये दोनों मंत्री बहुजन समाज पार्टी के हैं। लेकिन उनकी हार-जीत के साथ मुलायम सिंह की प्रतिष्ठा जुड़ गयी थी। उन्हें जिताने के लिए कांशीराम व मायावती से अधिक मुलायम सिंह सक्रिय थे।

उपचुनावों में विजय के बाद मुलायम सिंह ने कहा है कि सत्तारूढ़ गठबंधन को मिली भारी सफलता को देखते हुए सरकार के स्थायित्व को लेकर चल रही सभी अटकलें अब समाप्त हो जानी चाहिए। मुलायम सिंह सरकार को ...मैं भी यह खुशी अपने कार्यकाल के छह माह पूरे करने के अवसर पर मिली है। जीत के बाद उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि इस अवधि में उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि साम्प्रदायिक शक्तियों को पराजित व कमजोर करना रहा है। उन्होंने इस जीत

शेष पृष्ठ २ पर

भक्ति में ही शक्ति है
-बी. एल. चारण

हमारा देश धर्म प्रधान देश है। आध्यात्म को यहाँ अत्यधिक महत्व दिया जाता है। आध्यतम के जरिए हासिल मंत्र शक्ति का उपयोग यहाँ लोक कल्याण के लिए पुरातन काल से ही होता आया है। आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियों के बावजूद यहाँ पुरातन मंत्र शक्तियों का महत्व नहीं घटा है। यह देते हैं। इस भीड़ में भूत-प्रेत बाधा से ग्रस्त लोगों के अलावा वे लोग भी होते हैं जो अन्य हवागत कारणों से जीवन में संकटों का सामना कर रहे होते हैं। शिव भक्त चारण का दावा है कि उन्होंने अब तक सैकड़ों लोगों को भूत-प्रेत बाधा से छुटकारा दिलाया है। इसके लिए वे शिव आराधना को ही अपनी से ठीक हुए लोगों की जानकारी के आधार पर भी यहाँ अनेक लोग आते हैं और ठीक होकर जाते हैं। वे हर तरह के भूत-प्रेत बाधा व दूसरे बाह्य कष्टों से निवारण का पक्का दावा करते हैं इसके लिए वे मंत्रोच्चार करते हैं और शिव प्रसाद देते हैं। शिव प्रसाद में ही चमत्कारिक शक्ति होने की बात करते

कहना है यह कई वर्षों से शिव भक्ति में रत बी.एल. चारण का। उनकी शिव में अगाध आस्था है और वे यह कहते हैं कि आदि देव शिव कृपा से वे विपत्तियों से घिरे लोगों के संकट हरने का उपाय करते हैं। उनका कहना है कि उनके यहाँ से कोई भी निराश नहीं लौटता। इसके प्रमाण स्वरूप वे अपने यहाँ निरंतर जुटी रहती भीड़ का हवाला सफलता का श्रेय देते हैं।

उनका कहना है कि शिव ही भूतों-प्रेतों और सांसारिक कष्टों के स्वामी हैं और वे शिव की कृपा से ही उन भूत-प्रेतों से, बाधाओं से लोगों को मुक्ति दिलाते हैं। वे यह भी कहते हैं उनके यहाँ एक बार जो आता है वह इन कष्टों से मुक्त होकर ही जाता है। उनका यह भी कहना है कि उनके यहाँ हुए वे कहते हैं कि शिव की शरण में जो भी श्रद्धा से आता है उसे सब कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। उनके यहाँ आने वालों में अच्छी खासी संख्या उन लोगों की होती है जो दूसरे लोगों से उनकी चमत्कारिक शक्ति की प्रशंसा सुनते हैं। वे प्रातः और देर रात को शिव आराधना में अपना समय बिताते हैं।

□□□

भक्ति में शक्ति

हमारे पिताजी पूज्य गुरुदेव (श्री बाबू लाल चारण जी) कहते हैं. कि भक्ति में ही शक्ति है, जो व्यक्ति सच्चे मन और लगन से भगवान और गुरु की भक्ति करता है. उसे फिर और कुछ करने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि उसकी सारी परेशानियाँ गुरु अपनी समझ कर ठीक करते हैं।

भक्ति की शक्ति से ही तो "भगत धन्ना" और "ध्यानु भगत" जैसे भक्तों ने संसार में नाम किया.

POWER IN DEVOTION

MY father respected Guru Dev (SHRI BABU LAL CHARAN JI) says that devotion is in power.

The person who worships God and Guru with true heart and dedication does not need to do anything else because Guru considers all your problems as his own and solves them.

Out of the power of devotion, devotees like "Bhakt Dhana" and "Dhyanu Bhakt" have made a name in the world.

ध्यानु भगत ने अकबर जैसे शसक को भी भक्ति की शक्ति के चमत्कार से यह मान्ने पर मजबूर कर दिया, कि अगर सच्ची भक्ति हो तो भगवान भी भगत की बात को मान्ने पर मजबूर हो जाते हैं. मगर भक्ति भी सच्ची होनी चाहिए और अपने गुरु के प्रति सच्ची निष्ठा.

क्योंकि गुरु ही वह व्यक्ति है, जो आपको भगवान की भक्ति का रास्ता बताएगा,

और गुरु ही वह शक्ति है, जो आपको भगवान की भक्ति में होने वाली गलतियों को बताएगा, और उस गलतियों की सजा से गुरु ही बचाएगा।

गुरु ही वो अलौकिक शक्ति है, जो आपके पास बुरी ताकतों को और गंदी शक्तियों को नहीं आने देगा।

Dhyanu Bhagat even a fan like Akbar to believe with the miracle of the power of devotion that if there is true devotion then even God is forced to listen to the devotees but the devotion should also be true and true loyalty towards the Guru.

Because Guru is the person who will show you the path of devotion to God and Guru is the power that will tell you the mistakes made in the devotion of God and will save you from the punishment of those mistakes. Guru is that supernatural power that will not let evil forces and dirty powers come near you.

गुरू किस्को बनाएं

कभी भी गुरु जल्दीबाजी में नहीं बनाने चाहिए, कि आज वहां गए, तो वो और यहां गए तो यह, और हर साल एक नया गुरु बनाते जायें।

ऐसा करने से आप अपना ही नुक्सान कर बैठेंगे।

1. गुरु ढूंढना बहुत मुश्किल है, लोगों को बहुत साल लग जाते हैं एक सच्चे गुरु के पास जाने में।

2. और गुरु ढूंढ़ना इतना ही सरल है कि आपको कुछ करने की जरूरत नहीं होती।

बस आपको सिर्फ सही समय पर सही निर्णय लेने की जरूरत होती है, और आपको कुछ नहीं करना पड़ता।

WHOM TO CHOOSE AS GURU

Never choose a Guru in a hurry, like go there today, then you go there and keep choosing Guru every year.

By doing this, you will only harm yourself.

1. It is very difficult to find a Guru, people take many years to go to a right / true Guru.

2. And finding a guru is so simple that you do not need to do anything.

You just need to take the right decision at the right time and you don't have to do anything.

आपको गुरु ढूंढने की जरूरत नहीं, गुरु आपको खुद ही ढूंढ लेते हैं, जिस व्यक्ति से मिलकर आपको लगे कि मैं इनसे आज मिल रहा हूं. मगर नया-नया नहीं लगे और आप उनके प्रति इतने आकर्षित हो जाओ कि आपका मन, दिमाग और शरीर भी यह कहने लगे की बस यहीं है, वो जिनके पास आकर मेरी सब यात्रा खत्म हो गई और सब से ज्यादा जरूरी बात, जिसके पास आपकी हर बात का सही जवाब हो. बस आपकी गुरु ढूंढने की यात्रा वहीं खत्म हो जानी चाहिए.

एक बात और, कभी कोई गुरु आपको ज़बर्दस्ती नहीं करता. कि आप उनकी शरण में आएं, अगर आप आज्ञाकारी और अनुशासित व्यक्ति नहीं हैं. तो आप गुरु के शरण में मत जाएं. क्योंकि कोई जरूरी नहीं है, गुरु शरण में आना. जैसा भी जीवन चल रहा है, वैसे ही अच्छी तरह से जीवन चलाएं. और अगर जीवन बदलना है. और आपने मन भी बना लिया है, कि गुरु शरण मे जाना ही है, और आपको अपने गुरू की प्राप्ति भी हो गई हे.

You do not need to find a Guru, the Guru finds you himself. The person whom you meet, you feel that, I am meeting him today, but it does not seem new and you get so attached towards him that your mind, brain and body also start saying that this is the one with whom my whole journey has ended and the most important thing is the one who has the right answer to all your questions. Your journey of finding a guru should end there only.

One more thing, no Guru ever forces you to come to his shelter. If you are not an obedient and disciplined person, then do not go to the guru's shelter because it is not necessary to come to the guru's shelter.

Live your life as well as you are going.

And if you want to change your life and you have also made up your mind that you have to go to the guru's shelter and you have also find your Guru, then you should completely.

तो फिर आप अपने आप को गुरु के प्रति पूर्णतया समर्पित कर दें, फिर यह ना सोचे कि गुरु की उम्र, वाणी(जुबान) और रहन-सहन कैसा है, अगर आप इस समर्पण से गुरु के पास जाते हैं, तो गुरु शरण में रहकर आपको यह एहसास जरूर हो जाएगा। कि जिन चीजों को आप सोचते थे, कि मैं यह काम या इस परेशानी से कभी नहीं निकल पाऊंगा.

और आप यह देखेंगे कि आप वहां खड़े हैं. जहां कोई अलौकिक या परलौकिक परेशानी दूर दूर तक नहीं है.

यह होती है, गुरु कृपा. मगर सच्चा गुरु हो और समर्पित शिष्य दोनो के मिलन से ही अच्छा फल मिलता है।

Surrender yourself to the Guru. Then do not think about the age, speech and lifestyle of the Guru.

If you go to the Guru with this surrender, then you will definitely realize this by staying in the guru's shelter. The things that you used to think that, I will never be able to get out of this work or this problem and you will see that you are standing there where there is no supernatural or otherworldly problem anywhere, this is guru's grace. But only when there is a true Guru and a surrendered disciple, good results are obtained.

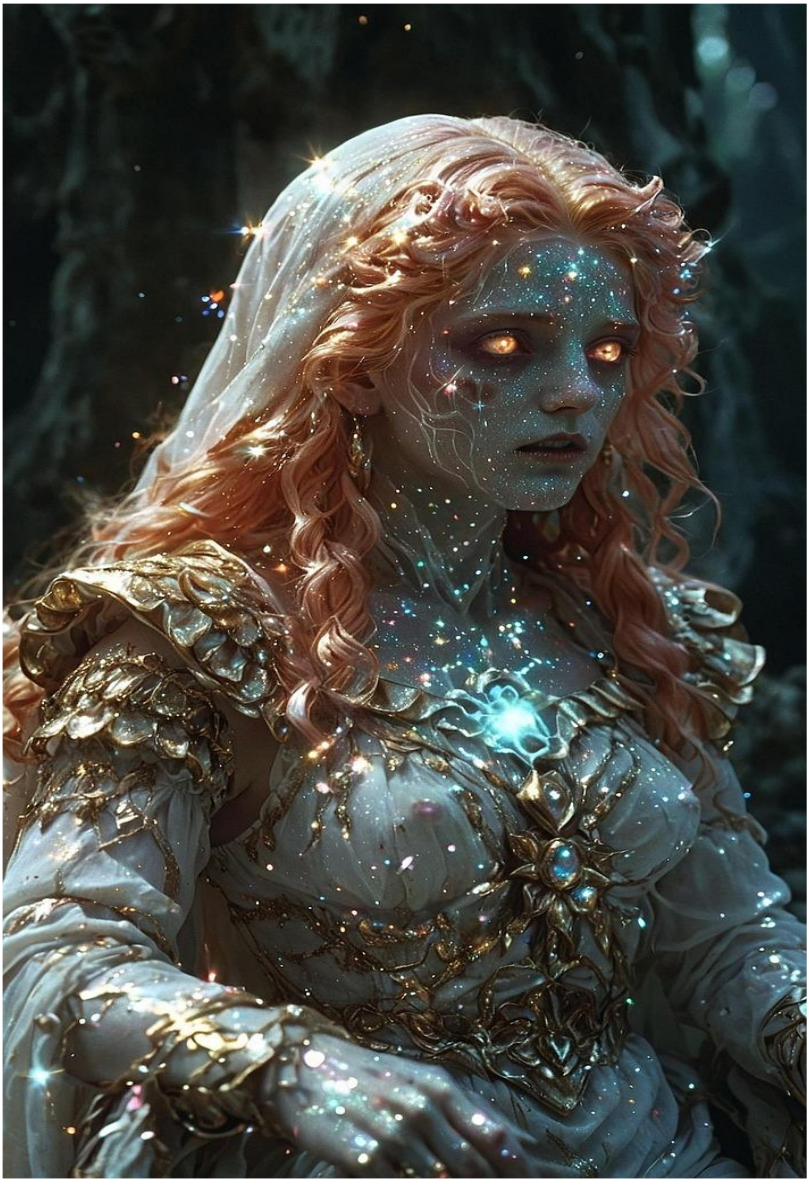

कर्ण पिशाचिनी

कर्ण पिशाचिनी साधना:- इस साधना को लेकर लोगो के मन में बहुत अलग-अलग गलत धारणाएं हैं।

जैसे:- कि यह आपके साथ शारीरिक संबंध बनाती है, और यह आपको बहुत परेशान करती है, आपका कभी पिछा नहीं छोड़ती, ऐसे ही बहुत अलग-अलग विचार और यह सब वह लोग बोलते हैं, जो ठीक से इन चीज़ों का नाम तक नहीं जानते, और इन चीज़ों के बारे में ऐसी-ऐसी बातें बोलते हैं, जो कि आधे से ज्यादा गलत, और गलत रास्ते पर साधक को ले जाने पर मजबूर करती है.

KARNA PISHACHINI

Karna pishachini sadhna:- People have many different misconceptions about this Sadhana.

Like:- It makes physical relations with you and it troubles you alot. It never leaves you. There are many different thoughts like this and all these are said by those people who do not even know the name of these things properly and they say such things about these things which are more than half wrong path.

यह माना की यह एक पिशाच साधना है, और तंत्र साधना में ये साधना निम्नस्तर की साधना कही जाती है. मगर ये साधना भी बहुत फलदाई और जीवन में बहुत मदद कारी सिद्ध होती है। पहले जाने की कर्ण पिशाचिनी होती क्या है, कर्ण पिशाचिनी अपने साधक के कान में वह सब बताती है, जो उसे जानने की लालसा होती है, यह भूत, भविष्य, वर्तमान तीनो बताने में समर्थ नहीं होती, ये सिर्फ भूत और वर्तमान ही बता-पाती है. और ये साधक की बहुत स्थितियों में मदद भी करती है, मगर ये एक पिशाच साधना होने की वजह से साधक की मुक्ति में विघ्न आता है. जो की सिर्फ कर्ण पिशाचिनी ही नहीं. और भी बहुत से स्थानिय देवी-देवता की साधना से भी मुक्ति में विघ्न आता है।

It is believed that this is a pishachini sadhna and in Tantra Sadhna this Sadhna is called low level Sadhna. But this Sadhana also proves to be very helpful in life.

First of all, know what is Karna Pishachini

Karna pishachini tells everything in the Ear of the sadhak which she desires to know. It is not able to tell the (PAST, FUTURE, PRESENT) It can only tell the (PAST AND THE PRESENT) and it also helps the sadhak in many situations. But because it is a Pishachini sadhna, it creates obstacles in the salvation of the sadhak not only karna pishachini, but many other local deities also create obstacles in liberation.

जब आप इसकी साधना कर लेते हैं, तो यह एक छाया(परछाई) की तरह आपके साथ हो जाती है. और आपको हर तरह की मुसीबत से बचाती है, लोगों के मन में यह बहुत ज्यादा गलत फहमी है, कि कर्ण पिशाचिनी साधना करने से, यह आपके साथ शारीरिक संबंध बनाती है, और साधना पूर्ण होने के बाद यह पूछती है, कि आप इसे किस रूप में रखेंगे माँ, पत्नी या और कुछ, जो आप चुन लेते हैं, यह आपके घर के उस व्यक्ति को मार देती है, और आपके साथ उस तरह से रहने लगती है, यह सब गलत धारणाएँ हैं।

When you do its Sadhna, It becomes with you like a shadow and protects you from all kinds of troubles. There is a big misconception in the minds of people that by doing karna pishachini sadhna, It forms physical relations with you and after the sadhna is complete, It asks in what form you will keep it, mother, wife or anyone else that you choose, It kills that person of your house and starts living with you in that form, all these are wrong beliefs.

क्योंकि आपने इसे सिद्ध किया होता है, इसलिए यह आपका वह सब कार्य करती है, जो इसकी क्षमता के भीतर होता है.

हां इसमें शारीरिक संबंध भी शामिल है. मगर अगर सिर्फ आप चाहे तो।

मगर 80% -- 90% साधक यही चाहते हैं। और इस कारण ही इस जाल में फंस जाते हैं. जब आप खुद ही इसे यह आदेश देते हैं, तो यह आपकी साधना से सिद्ध होने के कारण और एक पिशाचिनी होने के कारण, यह आपकी इस इच्छा को भी पूरी करती है। मगर यह याद रखे, की यह सीमा का उल्लंघन करने के लिए आपने ही आज्ञा दी है. और अगर यह आपके प्रति आकर्षित हो गई. तो फिर यह दोबारा बिना आपकी आज्ञा के उस सीमा का उल्लंघन करने में नहीं झिझकती. जिसकी आज्ञा आपने पहले दी थी। इस कारण 90% साधक इस साधना का सही फ़ायदा नहीं उठा पाते।

Because you have siddhied it, so it does all those tasks for you which are within it's capability. Yes, it also includes physical relations, but only if you want, but 80%-90% of the sadhaks wants this.

And this is the reason why you get trapped in this trap. When you yourself give this order to it, then because it is perfected by your Sadhana and being a witch, it fulfills this wish of yours.

But remember that you have given this order to violate the limit and if it gets attracted towards you, then it does not hesitate to violate that limit again without your permission, for which you had given permission earlier. Due to this reason 90% of the sadhaks are not able to take the right advantage of this Sadhana.

बाकी यह अच्छी साधना है, अगर आप सही तरीके से साधे तो. और जब तक यह आपका साथ देती है, तो बहुत देती है. और आपको कहीं भी हारने नहीं देती।

मगर एक पिशाचिनी होने के कारण यह अपने वचनों से मुकर भी जाती है. और आपको ये कहीं भी धोखा दे सकती है ऐसा नहीं है कि यह आपको बार-बार धोखा दे सकती है।

ऐसा नही है, कि ये आपको बार-बार धोखा दे. ये आपका काम सालों तक करेगी. मगर इसके मन की बात है. जब इसे लगता है, कि साधक की साधना. और, औरा कुछ कमजोर होने लगा तो ये साधक का काम, अपने मन के अनुसार करना बंद भी कर सकती है।

Otherwise, this is a good Sadhana. If you practice it in the right way and as long as it supports you, it supports you alot and does not let you lose anywhere. But being a pishachini, it also goes back on its words and can cheat you anywhere.

It is not that it will cheat you again and again, it will do your work for years, but it is a matter of its mind, When it feels that the Sadhana and aura of the sadhak is getting weak, then it can also stop doing the sadhak's work according to its mind.

साधना:- कर्ण पिशाचिनी की साधना 45 दिनों की होती है. मगर यह 3-4 दिन में ही आपके आस-पास आना-जाना शुरू कर देती है.

साधक को अलग-अलग तरीकों से डराना और अपनी साधना के हानिकारक प्रभाव के दृश्य दिखाने लगती है. ताकी साधक साधना छोड़ दे।

45 दीनों की साधना में साधक को एक ऐसा स्थान चुनना होता है, जहां की 45 दिनों तक कोई और व्यक्ति उस स्थान के आस-पास भी ना आए, और

साधक को भी यह ध्यान रखना पड़ता है कि वह भी ज्यादा लोगों से ना मिले-जुले, सिर्फ अकेले ही रहे तो ज्यादा अच्छा होता है।

Sadhna:- karna pishachini's Sadhana is of 45 days. But it starts coming around you in 3-4 days only.

It starts scaring the sadhak in different ways and shows the harmful effects of its Sadhna so that the sadhak leaves the Sadhna.

In the 45 days Sadhana, the sadhak has to choose a place where no other person comes near that place for 45 days and the sadhak also has to keep in mind that he does not mix with many peoples, It is better if he stays alone.

बाकी यह एक पिशाच साधना है. सांसारिक और सरल जीवन में रहने वाले लोगों को इस ओर, या इस जैसी साधनाओं से दूर रहना चाहिए.

मेरे पास ऐसे कहीं केस आए जो इस साधना या ऐसी कई और साधनाओं के आसफल या साधना खराब होने की वजह से बहुत परेशान थे.

मुझे खुद उनको ठीक करने के लिए पहले उनको दिमाग़ी तौर से, शारीरिक तौर से और उनका औरा मजबूत करने में समय लगा।

Otherwise, this is a pishach Sadhna. People living a worldly and simple life should stay away from this or similar sadhanas.

I have come across many such cases where people were very troubled due to the failure of this Sadhana or many other such sadhanas or the Sadhana went bad.

To cure them, It took me time to first strengthen them mentally, physically and their aura.

मंत्र-तंत्र और यंत्र

मंत्र, तंत्र और यंत्र क्या है।

मंत्र

1. मंत्र:- जिसका माला आदि से गिनती करके, जाप किया जाता है, और हर आराध्य का अलग मंत्र होता है.

मंत्र साधना में विशेष ध्यान देने वाली बात है. मंत्र का सही उच्चारण.

दूसरी बात जिस मंत्र का जाप अथवा अनुष्ठान करना है, उसका अध्ययन पहले से कर लेना चाहिए. मंत्र सिद्धि के लिए आवश्यक है कि मंत्र को गुप्त रखा जाए. प्रतिदिन के जाप से ही सिद्धि होती है।

MANTRA - TANTRA AND YANTRA

What's Mantra, Tantra and Yantra?

MANTRA

1. Mantra:- which is chanted by counting with a rosary etc. And every deity has a different Mantra.

In Mantra Sadhna the thing to pay special attention to in is the correct thing of the Mantra.

The second thing is that the Mantra which is to be chanted or anushtha is to be performed, it's offering should be taken beforehand. For Mantra Siddhi, It is necessary that the Mantra is kept secret. Siddhi is achieved only by daily chanting.

तंत्र

तंत्र :- एक निश्चित समय को निर्धारित करके, बहुत सी चीजों को एकत्रित कर साधन के रूप में तैयार किया जाता है, उसे तंत्र कहते हैं.

जैसे:- जड़ी-बूटी, शराब, मांस, जल आदि।

यंत्र

यंत्र :- भोजपत्र आदि में रेखाएं खिंचकर, उनमें निश्चय संख्या में अंक लिखे जाएं और उसे मंत्र और तंत्र द्वारा सिद्ध करके प्रयोग में लाया जाए वह यंत्र कहलाता है।

TANTRA

TANTRA:- By fixing a fixed time, many things are collected and prepared as a means, It is called Tantra.

SUCH AS:- Herbs, alcohol, Meat, water etc.

YANTRA

YANTRA:- If lines are drawn on Bhojpatra etc.

and numbers are written in them in a definite number and it is proved by Mantra and Tantra and used, It is called yantra.

बाकी तंत्र-मंत्र में और भी बहुत सी बातें आती हैं,

इनमे सें जैसे:- मारण, मोहन, वशीकरण, स्थंभन, उच्चाटन और भी ऐसी बहुत सी सिद्धियां हैं, मगर यह तंत्र-मंत्र में ज्यादा उपयोग में लाई जाने वाली सिधियां या कार्य है. समय रहते और सही तरीके से इन कार्यों से बचा जा सकता है.

वरना बहुत ज्यादा परेशानियों से गुजरना पड़ सकता है. इसलिए सही समय पर गुरु और भगवान की शरण में आ जाना चाहिए.

इन सब चीजों से बचे रहने का सही तरीका है।

Apart from this, many other things are included in Tantra - Mantra. Among these, there are many such Siddhis like:- KILLING, FASCINATION, HYPNOTYSM, PARALYSIS, EXPULSION and many more, but these are the Siddhis or tasks used more in Tantra - Mantra.

These actions can be avoided in time and in the right way. Otherwise, One may have to go through a lot of troubles so one should take refuge in Guru and God at the right time.

This is the right way to avoid all these things.

भविष्यवाणी

एक दिन कि बात है. 2 अगस्त 2020 शाम के करीब 08:00

बजे के आस-पास का समय था. मैं (ज्ञान गुरु उमा शंकर चारण) अपने कुछ शिष्यों के साथ बैठा हुआ कुछ कार्यों पर बात-चीत कर रहा था. अचानक मेरे एक शिष्य ने बोला, गुरुजी बस कुछ ही दिनों का खेल है, फिर तो सब कुछ ही खत्म हो जाएगा।

यह सुनकर हम सब बहुत हेरान हो गए कि यह क्या बोल रहा है. फिर कुछ समय रुक कर मैंने पूछा कि क्या बोल रहे हो, तो उसने बताया कि:- दरसल 2 अगस्त 2020 में हर न्यूज चैनल पर सिर्फ दो ही खबर चल रही थी।

PREDICTION

It was evening around 08:00 pm on 2 August 2020. I, (GYAN GURU UMA SHANKAR CHARAN)

was sitting with some of disciples, discussing some work. Suddenly, One of my disciple said,

"Guru ji, it's just a matter of a few days, and then everything will be over".

We were all shocked to hear this and wondered what he was saying.

After a while, I asked him to explain and he said that on 2 August 2020 there were only two news stories on every news channel.

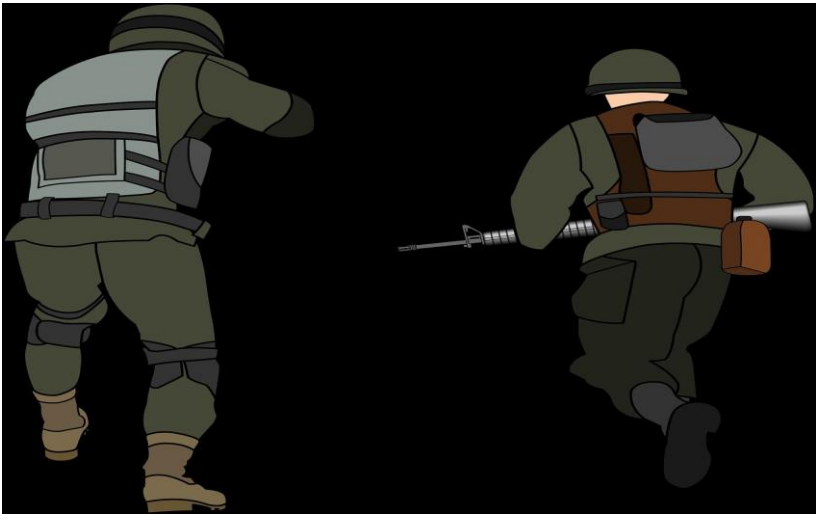

1. 2 अगस्त 2020 की सबसे बड़ी खबर थी, कि 3rd विश्व युद्ध कुछ ही देर में शुरू होने वाला है. सभी देशों ने अपने-अपने देश की सीमाओं पर त्यारियां कर ली थी।

2. दूसरी खबर यह थी, कि एक (उल्का पिंड) पृथ्वी से टक्कराएगा और यह भी 2 अगस्त 2020 की सबसे बड़ी खबर थी की बस कुछ ही घंटों में यह उल्का पिंड पृथ्वी से टकराने वाला है.

और सच में यह दोनों खबरें सच्ची थी, जब हमने न्यूज देखीं तो पता चला।

1. The first was that world war 3rd was about to start, and all countries had made preparations on their borders.

2. The second was that an asteroid was going to collide with Earth, and this was also a major news story on 2 August 2020.

मेरे एक शिष्य ने यह भी बताया, कि एक महान भविष्यवक्ता (नास्त्रेदमस-NOSTRADAMUS) ने अपनी भविष्यवाणी में भी यह बोला है.

कि 2019 - 2020 में विश्व युद्ध होगा और इसी बीच एक उल्का पिंड भी पृथ्वी पर गिरेगा। मेरे शिष्यों ने यह भी बताया कि नास्त्रेदमस की आज तक कोई भी भविष्यवाणी गलत नहीं हुई. हम तो इन महान भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस को नहीं जानते.

मगर जो उस समय न्यूज़ देखीं तो, यह सब सच होता लग रहा था।

My disciple also told me that the great prophet (NOSTRADAMUS - नास्त्रेदमस) had predicted in his prophecies that there would be a world war in 2019 - 2020 and an asteroid would also fall on Earth during this time.

My disciple said that NOSTRADAMUS' predictions had never been wrong, and we did not know much about him, but what we saw on the news that day seemed to be true.

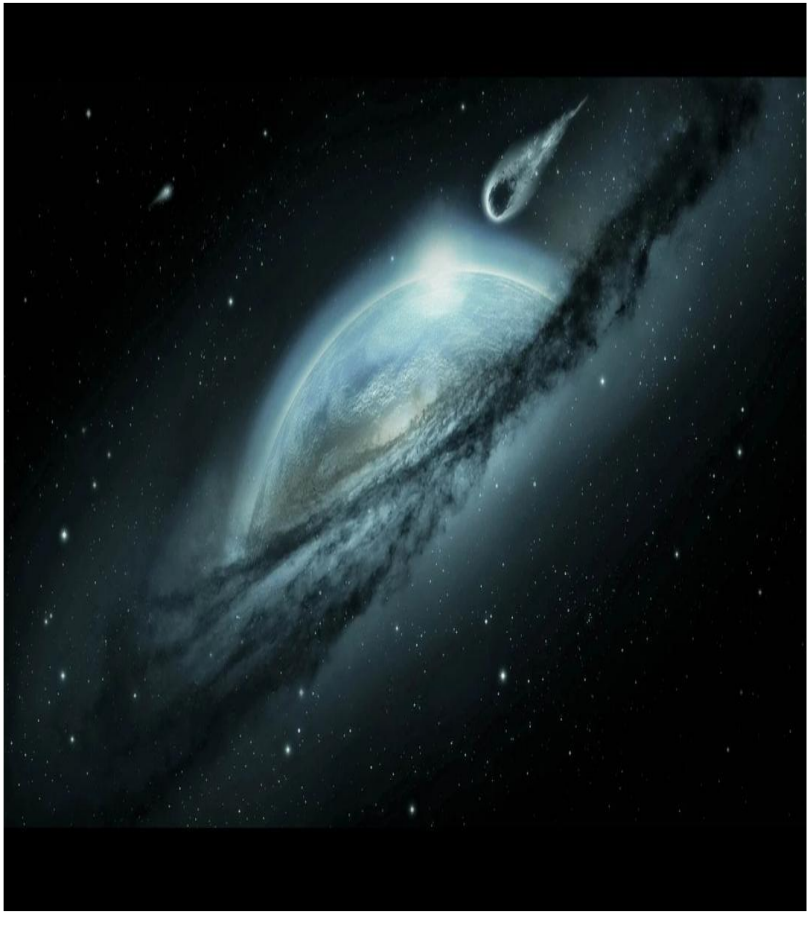

क्योंकि चारो तरफ युद्ध का माहौल जम रहा था, हर न्यूज पर 3rd विश्व युद्ध की बात चल रही थी.

दूसरी तरफ यह उल्का पिंड हमारी पृथ्वी की और बहुत तेजी से बढ़ रहा था, विश्व के सारे वैज्ञानिक परेशान थे. कि क्या किया जाए कुछ ही घंटों में यह उल्का पिंड पृथ्वी से टकरा जाएगा बहुत बड़ा हिसा पृथ्वी का नष्ट हो जाएगा।

अचानक मेरे शिष्यों मे से एक शिष्य ने बोला कि गुरु जी अब क्या किया जाए बस उसका यह बोलना था की.

There was a lot of talk about war everywhere,

and all the news channels were discussing world war 3rd. On the other hand, the asteroid was approaching Earth at a rapid pace, and scientists were worried about what to do. In a few hours, the asteroid would Collide with Earth, and a large part of the planet would be destroyed.

Then, One of my disciple asked, "Guru ji, what should we do now?" And I immediately said.

मैंने अचानक से ये बोल दिया. जाओ कुछ नहीं होगा ना हि विश्व युद्ध होगा और ना ये उल्का पिंड पृथ्वी से टकराएगा।

और अगर ये दोनों काम होते भी हैं, तो हम जहां बैठे हैं, भारत पर इन दोनों हि चीजों का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा।

चाहे कुछ भी हो जाए भारत का एक पत्ता भी नहीं हिलेगा सिर्फ इन दोनो कारणों कि वजह से।

एक व्यक्ति जो हमारे शिष्यों के साथ आया हुवा था उसने बोला कि नास्त्रेदमस की कोई भविष्यवाणी झूठी नहीं हुई गुरुजी. हमने कहा कि यह सब हम नहीं जानते कि किसने क्या कहा है, हम तो बस यह जानते हैं, कि हमने क्या कहा है।

Don't worry nothing will happen. There will be no world war 3rd, and the asteroid will not Collide with Earth. And even if these two things happen, they will not affect India, where we are sitting.

Nothing will happen to India, not even a leaf will move.

One person who was with my disciples said that "Nastradamus" predictions had never been wrong, and I said that we don't know what others have said, but we know what we have said, and we should respect that.

उसने बहुत आदर और सम्मान के साथ यह बोला कि गुरु जी अगर आपकी आज्ञा हो तो मैं यह बात सोशल मीडिया पर डाल दूं.

हमने इससे पहले और बहुत से बातें बहुत लोगों को बताई थी. पर वह सब कुछ लोगों के बीच ही रह गई।

पर कहते हैं ना, कि जब अच्छे शिष्य मिलते हैं. तो शिष्य ही नहीं बल्कि गुरु भी उनको पाकर बहुत प्रसन्न होते हैं.

हमने भी अचानक बोल दिया. कि जो भी करना है कर लो, हमने तो भविष्यवाणी कर दी. कि कुछ नहीं होगा बस।

He asked if he could share this on social media, and I gave my permission.

I had told many people about this and many other things before, but it all remained within a limited circle. But as they say, When you get good disciples, it's not just the disciples who benefit, but the Guru also feels delighted. I suddenly said, Do whatever you want.

I made a prediction that nothing would happen

Gyan Guru U S Charan Ji Fisrt Prediction 20...
My GYAN GURU U S CHARAN JI has made a very strong prediction that the said comets travelling from space will not hit earth and cause any harm to human life. Also, 3rd WORLD WAR will not occur in the year 2020 basis the current astrology.
though all other previous predictions made by Nostradamus ki bhavishyavani & all other Guru's or Astrologers by all due respect will not come true.
https://www.youtube.com/watch?v=tbCiV4hDSA4&t=28s
https://www.youtube.com/watch?v=LcuUHFx64DQ
https://www.youtube.com/watch?v=6XnlWQVTS2Y

Amar Atwal
8 hrs
Amar Atwal
Our GYAN GURU U S CHARAN JI has made a very strong prediction that the said, 3rd WORLD WAR will not occur in the year...
Sent
Reply to Amar...

Amar Atwal ► U S Charan
3 Aug 2020
GURU JI do like & share
Amar Atwal
3 Aug 2020
Our GYAN GURU U S CHARAN JI has made a very strong prediction that the said, 3rd WORLD WAR will not occur in the year 2019-2020 basis the current astrology.
Though all other previous predictions made by Nostradamus ki bhavishyavani & all other Guru's or Astrologers by all due respect will not come true.
https://www.youtube.com/watch?v=tbCiV4hDSA4&t=28s
Also, asteroid & meteoroid travelling from space will not hit the earth and cause any harm to human life in 2020 at any given time.
See translation

हमने यह 2 अगस्त 2020 की रात 8:00 बजे के आस-पास यह सब बोला था, और उन श्रीमान जी ने 3 अगस्त 2020 को यह सब काम कर भी दिया और अच्छा ही हुआ कि यह बात सोशल मीडिया पर डाल दी गई।

तभी मैं आज आप सबको इस किताब के जरिए यह बात बता... रहा हूं. कि सिर्फ हमारे देश में ही, यह सब विद्या थी।

और हमारे ऋषि मुनि पता नहीं, क्या-क्या बता कर गए हैं.

मगर हम उन्हें महत्तवपूर्ण नहीं समझते. और हमारी ही बातों को जो रूप बदलकर दिखाते हैं। हम उनको ही बहुत कुछ मानने लगते हैं।

आज 2024 और करीब आधा साल चला गया है. ना ही विश्व युद्ध हुआ और ना ही कोई उल्का पिंड पृथ्वी से टकराया और अगर, जादा जानना चाहते हो. तो 2 अगस्त, और अगस्त 2020 की खबरों में देख सकते हौ. कि उस समय विश्व में युद्ध और उल्का पिंड का कितना डर था।

And I said this around 08:00pm on 2 August 2020 and that disciple (that asked for my permission to share this on social media) did it all on 3 August 2020 and it's good that it was shared on social media.

That's why I'm telling you all through this book that all this was known only in our country, and our sages and seers have told us many things.

But we don't understand the importance of our own heritage and often misinterpret our own words. We start believing in other's versions.

Now, in 2024 almost half a year has passed, and neither has a world war occurred nor has any asteroid hit the Earth.

If you want to know more, you can check the news from August 2 and 3. 2020, to see how much fear there was about war and asteroids back then.

तंत्र, मंत्र, यंत्र अलौकिक परलौकिक शक्तियों की महत्वपूर्ण पूजाऐ:-

जो साधक इस दिशा में महारत पाना चाहता है.

वह ज्यादातर नवरात्रों में अपनी सिद्धियों को ऊर्जावान करता है। और माता का आशीर्वाद लेकर महारत प्राप्त करता है। ज्यादातर लोग नवरात्रि साल में दो बार मनाते हैं.

और यहीं सोचते हैं, कि नवरात्रि साल में दो ही बार आती है, मगर हर साल नवरात्रि की पूजा साल में चार बार आती है,

दो नवरात्रि जो सब लोग जानते हैं।

TANTRA, MANTRA, YANTRA AND WORSHIP OF SUPERNATURAL AND PARANORMAL POWERS:-

Those sadhak who want to make progress in this direction usually energize their accomplishments during the Navaratri period and attain mastery with the blessings of the goddess. Most people celebrate Navaratri twice a year and believe that it occurs only twice a year.

However, the worship of Navaratri occurs four times a year. Two of these are well- known.

1. सब से पहले, साल में आने वाले दो बार नवरात्रि की पूजा जो, सब जानते हैं। यह साल के हिंदी महिनों के हिसाब से "चैत्र माह और आश्विन माह" में आते हैं।

2. दो नवरात्रि जो बहुत कम लोग जानते हैं। वह गुप्त नवरात्रि कहलाती हैं। जो हिंदी महीनों के हिसाब से "आषाढ़ माह और माघ माह" में आते हैं।

यह नवरात्रि पहले सामान्य "चैत्र माह" में और फिर गुप्त नवरात्रि "आषाढ माह" में।

फिर से सामान्य नवरात्रि "आश्विन माह" में औंर फिर गुप्त नवरात्रि "माघ माह" में इस तरह से आते हैं।

1. The two well- known Navaratri celebrations occur in the Hindu months of "chaitra and Ashwin", which everyone is aware of.

2. The two lesser- known Navaratri celebrations known as gupt Navaratri, occur in the Hindu months of “Ashadh and Magh”.

This pattern repeats as follows:- Navratri in "chaitra month", followed by gupt Navratri in "Ashadh month", then navratri in "Ashwin month", and finally gupt Navratri in "Magh month".

सामान्य नवरात्रि

1. पहले सामान्य नवरात्रि की बात करते हैं। हम समान्य इसलिए कह रहे हैं. कि आप सब को दोनो में अंतर पता चलता रहे।

अन्यथा यह नवरात्रि कोई सामान्य नहीं है, इन नवरात्रों में भी

साधक अपनी-अपनी सिद्धियों को ऊर्जा प्राप्त कराते हैं।

और बहुत से साधक माता से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. यह नवरात्रि नौं देवियों कि होती हैं।

1. माता शैलपुत्री.

2. माता ब्रह्मचारिणी

3. माता चंद्रघंण्टा.

4. माता कूष्मांडा

5. माता स्कंदमाता.

6. माता कात्यायनी

7. माता कालरात्रि.

8. माता महागौरी

9. माता सिद्धिदात्री।

COMMON NAVRATRI

1. First let us talk about the common Navratri.

I am saying common so that all of you know the difference between the two, otherwise this Navratri is not ordinary. In this Navratri also the Sadhaks energize their siddhis and many sadhaks get blessings from the Devi Maa...

This Navratri is of nine goddesses.

1. Mata shailputri.

2. Mata Bhramcharini

3. Mata chandraghanta.

4. Mata kushmanda

5. Mata skand Mata.

6. Mata katyayani

7. Mata kalratri.

8. Mata mahagauri

9. Mata Siddhidatri.

गुप्त नवरात्रि

2. फिर जो गुप्त नवरात्रि आति हैं, ये नवरात्रि के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं, वैसे तो माता की सभी लोग पूजा करते हैं, मगर ज्यादातर गुप्त नवरात्रों में तांत्रिक और साधक हि. गतिमान होते हैं, इन नवरात्रों में साधक को तंत्र-मंत्र में असाधारण शक्तियां प्राप्त होती है।

ये नवरात्रि 10 महाविद्या के होते हैं

1. माता काली.
2. माता तारा.
3. माता छिन्नमस्ता
4. माता षोडशी
5. माता भुवनेश्वरी.
6. माता त्रिपुर भैरवी
7. माता धूमावती
8. माता बगलामुखी.
9. माता मातंगी.
10. माता कमला.

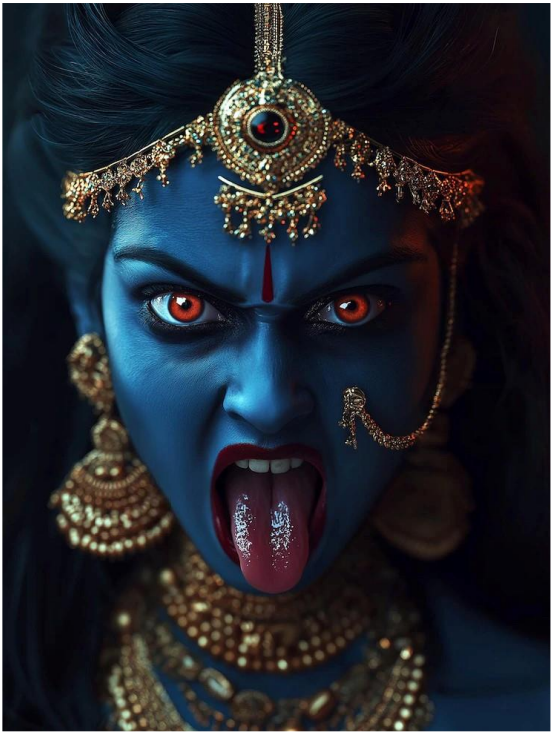

GUPT NAVRATRI

2. Then the gupt Navratri which comes, very few people know about this Navratri, although everyone worships the Devi Maa, but mostly in the gupt Navratris only the trantriks and sadhaks are active, in these Navratri's the sadhak's get extraordinary powers in Tantra Mantra.

THIS NAVRATRI IS OF TEN MAHAVIDYAS

1. Mata Kali.

2. Mata Tara.

3. Mata Chhinnamasta.

4. Mata Shodashi.

5. Mata Bhuvaneshwari.

6.Mata Tripur Bhairavi.

7. Mata Dhumavati.

8. Mata Baglamukhi.

9. Mata Matangi.

10. Mata Kamla.

यह दोनों ही नवरात्रि तंत्र-मंत्र में अलौकिक और परलौकिक शक्तियां प्राप्त कराते हैं।

यह सभी माताएं अलग-अलग तरह के शक्ति प्रदान करति हैं। मगर यह भी सच है, जो सिर्फ तांत्रिक या सांधक ही, जानते है। यह सभी माताऐ चाहे वह नौं देवियां.

या फिर चाहे दस महाविद्याया यह सभी... सब कुछ करने में संक्षम हैं. यह कुछ भी दे सकति हैं, और कुछ भी ले सकति हैं इनके आगे कुछ नहीं चलता. यह अपने आप में संपूर्ण है।

Boththese Navratri's help in getting Supernatural and Paranormal Powers in Tantra Mantra.

All these thing's provide different kinds of powers. But this is also true that only Tantrik or sadhak know this. All these Matas, whether they are "Nine Goddesses" or "Ten Mahavidyas" are capable of doing everything.

They can give anything, and wrest anything away.

Nothing works before them.

They are complete in themselves.

“माँ कामाख्या जी”

और जो, साधक तंत्र, मंत्र, यंत्र साधनाऐ, जादू-टोना, भूत-प्रेत, जिंन्द, ब्रह्मराक्षस पर अपना नियन्त्रण करना चाहता है, और इन सभी शक्तियों को अपने वश में करना चाहता है.

वह माता "कामाख्या जी" की साधना करता है।

"माँ कामाख्या जी", अपने साधक को हर तरह की शक्तियाँ और सिधियाँ देती हैं। और माता सब कुछ करने में सक्षम है।

ये साधना "माँ कामाख्या जी" की है। जो असम में नीलांचल पर्वत पर विराजमान शक्तिपीठ है। तंत्र के हर साधक को वहां जाना चाहिए और वहां का जल सेवन करना चाहिए।

"माँ कामाख्या" के आशीर्वाद से साधक तंत्र में अवश्य सफल होता है।

“MATA KAMAKHYA JI”

And the sadhak who wants to control Tantra, Mantra, Yantra Sadhna, witchcraft, ghosts, spirits,

Jind, Brahmarakshas and wants to control all these powers, he does the sadhna of "MATA KAMAKHYA JI" “MATA KAMAKHYA JI” gives all kinds of powers and siddhis to her sadhak and the mother is capable of doing everything. This Sadhna is of "MATA KAMAKHYA JI" who is a Shakti peeth situated on Nilachal mountain in Assam. Every sadhak of Tantra should go there and drink the water there with the blessings of "MATA KAMAKHYA JI". The sadhak definitely succeeds in Tantra.

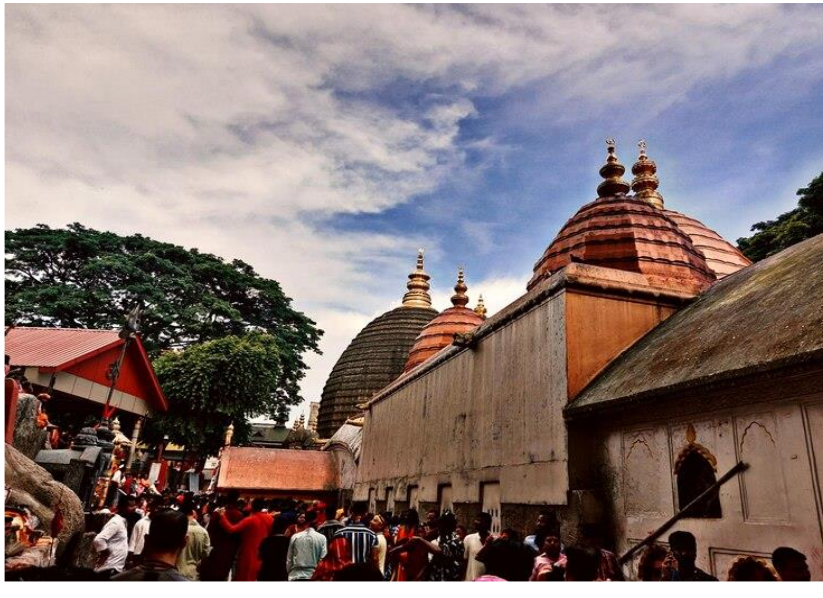

जून महीने में माताजी के नाम से मेला लगता है, बड़े-बड़े साधक वहां अवश्य पहुंचते हैं, यह साधना आप लोग अपने घर पर करके माँ की कृपा पा सकते हैं।

वैसे तो सभी देवियों का अलग स्थान है, मगर तंत्र में

"माँ कामाख्या जी" को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह देवी तंत्र से मूल रूप से जुड़ी है, इनकी कृपा से आपका जीवन सहज और सरल हो जाता है, तंत्र में सफलता मिल जाती है, जीवन को गति मिल जाती है, परिवार में खुशहाली आती है।

देवी के मंत्र से अन्य कार्य भी कियें जा सकते है, संकल्प लेकर अनुष्ठान करने पर बहुत से कार्य हो जाते हैं।

A fair is held in the month of June. Big sadhak's

Definitely reach there. You people can do this Sadhna at your home and get the blessings of the mind. Although all the goddesses have a different place, but in Tantra, "MAA KAMAKHYA ji"

has the highest place. This goddess is basically connected to Tantra. With her blessings, your life becomes easy and simple. You get success in Tantra. Life gets momentum.

Happiness comes in the family. Other works can also be done with the Mantra of the goddess.

Many works are done by taking a resolution and performing rituals.

“बाबा कलवा पवन(पौंन)”

और भी शक्तियां हैं, जो तंत्र-मंत्र में बहुत ज्यादा उपयोग में साधक द्वार लाई जाती हैं.

जैसे:- 64 योगिनी ये "माता दुर्गा" के साथ ही रहती हैं, और माता के हर आदेश का पालन करती हैं।

जो लोग इन साधना और तंत्र मंत्र में हैं, सिर्फ वही समझ पाएंगे, हो... सकता है, कि और लोग भी समझ जाएं कि, मैं अब किस शक्ति कि बात कर रहा हूं. ये भूत-प्रेत, पिशाचिनिया, डाकनिया

आदि, यहां इन शक्ति के सामने कुछ भी नहीं है।

उनका नाम है "बाबा कलवा पवन(पौंन)" इनके आगे ये सब कुछ नहीं है. और यह इनके सामने आते भी नहीं है. इतना डरते हैं उनसे।

“BABA KALWA PAWAN(PAUN)”

64 yoginis live with "MAA DURGA" and follow every order of MAA. Only those people who are into this Sadhna and Tantra Mantra will be able to understand. Maybe others will also understand which power I am talking about now.

These ghosts, witches etc. Are nothing in front of this power. His name is "BABA KALWA PAWAN(PAUN)". No one is anything in front of them and they do not even come in front of them. They are scared of them.

बाकी "बाबा कलवा पवन(पौन)". जी की जितनी बातें करो उतनी कम है, मुझे... इतनी बातें, कहानियां और साधना बताने के लिए एक और किताब लिखनी पड़ जाएगी.

बस इतना जान लो कि यह बहुत बड़ी शक्ति है। और इनके आगे कोई नहीं ठहरता. तंत्र विद्या के लोग बहुत अच्छी तरह जानते हैं, ये बात और "जय कलवा पवन(पौन)" जी की बोलकर शांत बैठ जाते हैं।

As much as we talk about "BABA KALWA PAWAN(PAUN)". JI, It is less. I will have to write another book to tell his stories, tales and Sadhna.

Just know this much that he is a very powerful.

And no one can defeat him. People of Tantra Vidya know this very well and as much as we talk about "JAI KALWA PAWAN(PAUN)"JI, It is less. I will have to write another book to tell his stories, tales and Sadhna.

Just know this much that this is a very big power and no one could stand before them, people of Tantra Vidya know this very well and after saying "JAI KALWA PAWAN(PAUN)".JI they sit quietly.

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष 14 मुखी तक होते हैं, और इसे ज्यादा बहुत दुर्लभ होते हैं।

1. एक मुखी जिसको धारण करने से चिंता मुक्त, सहासी और शत्रु से मुक्त हो जाते हैं।

एक मुखी रुद्राक्ष व्यक्ति के जीवन से अंधकार हटाकर प्रकाश लाता है. कामकाज और आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद करता है।

2. दो मुखी रुद्राक्ष को धारण करने से आत्म विश्वास बढ़ता है. मन की शांति और अच्छी नींद आती है। सर्दी, जुकाम, तनाव से भी मुक्त करने में सहायक होता है.दो मुखी रुद्राक्ष माता शक्ति और भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है।

RUDRAKSHA

Rudraksha beads have 14 faces, and it is extremely rare to find more than that.

1. Wearing a 1-faced Rudraksha brings relief from stress, makes one courageous, and frees them from enemies. It removes darkness from life and brings light, helping to improve work and financial situations.

2. Wearing a "2-faced Rudraksha increases self-confidence, brings mental peace, and improves sleep quality. It also helps relieve colds, coughs and stress. The 2-faced Rudraksha is considered a direct form of "Mata Shakti and lord Shiva".

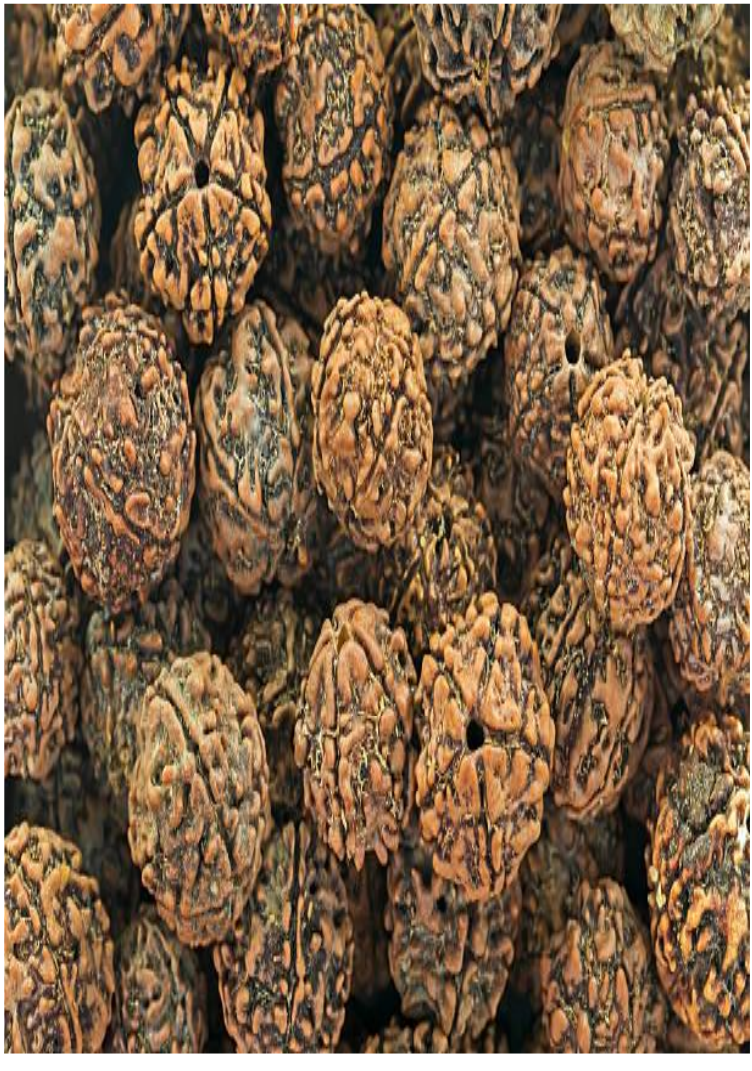

3. तीन मुखी रुद्राक्ष गले में धारण करना चाहिए. इससे चेहरे पर तेज और बल मिलता है। और विद्यार्थियों के लिए भी बहुत लाभकारी होता है।

4. चार मुखी रुद्राक्ष जीवन में एकाग्रता लाता है। और एकाग्रता से बुद्धि के विकास में लाभ मिलता है। और वाणी पर भी अनुकूल प्रभाव होता है, इस कारण आपकी बातों में सौम्यता, रस और मधुरता का संचार होता है।

5. पंच मुखी रुद्राक्ष को विधि व्रत धारण करना चाहिए। इससे मानसिक शांति, अनावश्यक मन विचलित नहीं होता। और सुख शांति के साथ-साथ यह आध्यात्मिक शक्तियां अर्जित करने में सहायक है।

3. The 3-faced Rudraksha should be worn around the neck, bringing strength and energy to the wearer. It is very beneficial for students.

4. The 4-faced Rudraksha brings focus and concentration, leading to mental development and improved communication skills.

5. The 5-faced Rudraksha should be worn according to the prescribed method, bringing mental peace, reducing unnecessary thoughts, nd helping achieve Spirtual powers.

6. छह मुखी रुद्राक्ष आपके अंदर की बिमारियां जैसे:- थायरॉइड मधुमेह और ध्वनियों को नियंत्रित करता है। और आपके वक्तव्य कौशल और कलात्मक गुणों को बढ़ाता है।

7. सात मुखी रुद्राक्ष से माता लक्ष्मी की कृपा इंसान के ऊपर बनी रहती है। इसका संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है।

8. आठ मुखी रुद्राक्ष अकाल मृत्यु होने की संभावना कम करता है। यह भगवान शंकर से भी संबंधित है। बुद्धि, ज्ञान, धन और उच्च पद की प्राप्ति में सहायक होता है।

6. The 6-faced Rudraksha controls diseases like Thyroid, Diabetes and Blood Pressure and enhances creative skills and artistic talents.

7. The 7-faced Rudraksha is related to the planet Venus and brings blessings from:-"Devi Lakshmi".

8. The 8-faced Rudraksha reduces the likelihood of Ultimately death and is related to lord "Shiva", helping achieve wisdom. Knowledge, wealth and high status.

9. नौ मुखी रुद्राक्ष धारण करने से दिमाग शांत और एकाग्रचित्त रहता है। और असंभव कार्य भी संभव होने लगते है।

10. दस मुखी रुद्राक्ष जिन लोगों को अज्ञात भय लगता है।

उसको दूर करता है। और नवग्रह शांति और वास्तु दोषो को भी मिटाता है।

11. ग्यारह मुखी रुद्राक्ष हर प्रकार के संकट, गृह क्लेश, उलझन दूर करता है।

और भूत-प्रेत बाधा, शत्रु भय आदि से दूर करने में सहायक हैं।

9. Wearing a 9 - faced Rudraksha brings Mental Peace, Focus and makes impossible tasks possible.

10. The 10- faced Rudraksha removes unknown fears and corrects planetary defects and Vaastu doshas".

11. The 11- faced Rudraksha removes all kinds of problems, planetary defects and Ghostly roubles

12. बारह मुखी रुद्राक्ष माना जाता है। कि इस रुद्राक्ष में "बारह आदित्यों" का तेज समाहित हैं। इसको धारण करने से व्यक्ति को वैभव और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इसे धारण करने वाला व्यक्ति सब पर नियंत्रण रखने की क्षमता रखता है।

13. तेरह मुखी रुद्राक्ष को "कामदेव" की ऊर्जा से भी जोड़ा गया है। इसको धारण करने से आकर्षण और सौंदर्य प्राप्त होता है।और ध्यान करने वाले व्यक्ति के लिए बहुत लाभकारी है। यह कुंडलिनी और सिद्धियों को जागृत करने में सहायक होता है। और कईं रोगों को दूर करने में भी सहायक होता है। जैसे:- योंन रोग, काम इच्छा में कमी, शुक्राणुओं की कमी और नपुंसकता आदि।

12. The 12-faced Rudraksha is considered to have the energy of "12 Adityas", bringing wealth, status, and control over others.

13. The 13-faced Rudraksha is related to "KAMADEVA'S" energy, bringing attraction, beauty and benefits for meditation. It helps waken kundalini and achieve Spirtual powers, and also helps remove diseases. Such as:- Vaginal diseases, Lack of Sexual desire, Lack of sperms and impotence etc.

14. चौदह मुखी रुद्राक्ष का संबंध "हनुमान जी" से भी माना जाता है। और भगवान "शिव" का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। और जिन लोगों के बहुत सारे दुश्मन हैं, उनको तो यह अवश्य धारण करना चाहिए।

मगर यह सब रुद्राक्ष अपने-अपने गुरुओं या ज्योतिषियों की राय से ही, धारण करना चाहिए। बाकी 14 मुखी रुद्राक्ष से आगे बहुत दुर्लभ रुद्राक्ष होते हैं। जैसे:- 15-16-17-18-19-20-21 मुखी तक भी होते हैं। मगर ह सब बहुत कम मिलते हैं।

14. The 14-faced Rudraksha is related to lord "HANUMAN JI" and has lord "SHIVA'S" blessings. It is essential for those who have many enemies.

However, all these Rudraksha beads should only be worn with the advice of one's own Guru or Astrologer. Additionally, beyond the 14-faced Rudraksha, there are extremely rare Rudraksha beads available, such as 15-16-17-18-19-20 and 21- faced one's, but these are very scarce.